Urdu Devanagari Script: Unlocked Literal Bible for 1 Chronicles

Formatted for Translators

©2022 Wycliffe Associates

Released under a Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Bible Text: The English Unlocked Literal Bible (ULB)

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English Unlocked Literal Bible is based on the unfoldingWord® Literal Text, CC BY-SA 4.0. The original work of the unfoldingWord® Literal Text is available at [https://unfoldingword.bible/ult/](https://nam12.safelinks.protection.outlook.com/?url=https%3A%2F%2Funfoldingword.bible%2Fult%2F&data=02%7C01%7Cmarv_lucas%40wycliffeassociates.org%7Cab3b29dbe7fc44554aeb08d8080e8e70%7C7baa11086adb4be299cf00a4872ab1cf%7C0%7C0%7C637268205914531190&sdata=SW2KxVr%2BcxHGAgMpv602NzoYenorfHi9bOs2SNzVpR4%3D&reserved=0).

The ULB is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Notes: English ULB Translation Notes

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English ULB Translation Notes is based on the unfoldingWord translationNotes, under CC BY-SA 4.0. The original unfoldingWord work is available at <https://unfoldingword.bible/utn>.

The ULB Notes is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

To view a copy of the CC BY-SA 4.0 license visit <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

Below is a human-readable summary of (and not a substitute for) the license.

**You are free to:**

* **Share**— copy and redistribute the material in any medium or format.
* **Adapt**— remix, transform, and build upon the material for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

**Under the following conditions:**

* **Attribution**— You must attribute the work as follows: “Original work available at <https://BibleInEveryLanguage.org>.” Attribution statements in derivative works should not in any way suggest that we endorse you or your use of this work.
* **ShareAlike**— If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.
* **No additional restrictions**— You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

**Notices:**

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.



TOC \o "1-2" \h \z \uRight-click to update field (doing so will insert table of contents).

Page left intentionally blank

## १-तवारीख़

Chapter 1

1आदम, सेत, उनूस,2किनान, महलीएल, यारिद,3हनूक, मतूसिलह, लमक,4नूह, सिम, हाम, और याफ़त|5बनी याफ़त: जुमर और माजूज और मादी और यावान और तूबल और मसक और तीरास हैं|6और बनी जुमर अश्कनाज और रीफ़त और तजुर्मा है|7और बनी यावान, इलीसा और तरसीस, कित्ती और दूदानी हैं|8बनी हाम: कूश और मिस्र, फ़ूत और कना'न हैं|9बनी कूश: सबा और हवीला और सबता और रा'माह सब्तका हैं और बनी रामाह सबाह और दादान हैं|10कूश से नमरूद पैदा हुआ; ज़मीन पर पहले वही बहादुरी करने लगा|11और मिस्र से लूदी और अनामी और लिहाबी और नफ़तूही,12और फ़तरूसी और कसलूही (जिनसे फ़िलिस्ती निकले), कफ़्तूरी पैदा हुए|13और कना'न से सैदा जो उसका पहलौठा था, और हित्त,14और यबूसी और अमोरी और जिरजाशी,15और हव्वी और 'अर्क़ी और सीनी,16और अरवादी और सिमारी और हिमाती पैदा हुए|17बनी सिम: 'ऐलाम और असूर और अरफ़कसद और लूद और अराम और 'ऊज़ और हूल और जतर और मसक हैं|18और अरफ़कसद से सिलह पैदा हुआ और सिलह से 'इब्र पैदा हुआ|19और इब्र से दो बेटे पहले का नाम फ़लज था क्यूँकि उसके अय्याम में ज़मीन बटी, और उसके भाई का नाम नाम युक़तान था|20और युक़तान से अलमूदाद और सलफ़ और हसर मावत और इराख़,21और हदूराम और ऊज़ाल और दिक़ला,22और 'ऐबाल और अबीमाएल और सबा,23और ओफ़ीर और हवीला और युबाब पैदा हुए; यह सब बनी यूक़तान हैं|24सिम, अरफ़कसद, सिलह,25‘इब्र, फ़लज, र’ऊ,26सरुज, नहूर, तारह,27अब्राम या'नी इब्राहीम|28इब्राहीम के बेटे: इस्हाक़ और इस्मा'ईल थे|29उनकी औलाद यह हैं: इस्मा'ईल का पहलौठा नबायोत उसके बा'द कीदार और अदबिएल और मिबसाम,30मिशमा'अ और दूमा और मसा, हदद और तेमा,31यतूर, नाफ़ीस, क़िदमा; यह बनीइस्मा'ईल हैं|32और इब्राहीम की हरम क़तूरा के बेटे यह हैं: उसके बत्न से ज़िमरान युक़सान और मिदान और मिदियान और इस्बाक़ और सूख़ पैदा हुए और बनी युक़सान: सिबा और ददान हैं|33और बनी मिदियान: 'एफ़ा और 'इफ़्र और हनूक और अबीदा'अ अल्द'आ हैं; यह सब बनी क़तूरा हैं|34और इब्राहीम से इस्हाक़ पैदा हुआ| बनी इस्हाक़: 'ऐसौ और इस्राईल थे|35बनी 'ऐसौ: अलीफ़ज़ और र'ऊएल और य'ऊस और या'लाम और क़ोरह हैं|36बनी अलीफ़ज़: तेमान और ओमर और सफ़ी और जा'ताम, क़नज़, और तिम्ना' और 'अमालीक़ हैं|37बनी र'ऊएल: नहत, जारह, सम्मा और मिज़्ज़ा हैं|38और बनी श'ईर: लोतान और सोबल और सबा'ऊन और 'अना और दीसोन और एसर और दीसान हैं|39और हूरी और होमाम लूतान के बेटे थे, और तिम्ना' लोतान की बहन थी|40बनी सोबल: 'अल्यान और मानहत 'एबाल सफ़ी और औनाम हैं| अय्या और 'अना सबा'ऊन के बेटे थे|41और 'अना का बेटा दीसोन था; और हमरान और इश्बान और यित्रान और किरान दीसोन के बेटे थे|42और एसर के बेटे: बिलहान और ज़ा'वान और या'क़ान थे और ऊज़ और अरान दीसान के बेटे थे|43और जिन बादशाहों ने मुल्क-ए-अदोम पर उस वक़्त हुकूमत की जब बनी-इस्राईल पर कोई बादशाह हुक्मरान न था वह यह हैं: बाला' बिन ब'ओर; उसके शहर का नाम दिन्हाबा था|44और बाला' मर गया और यूबाब बिन ज़ारह जो बुसराही था उसकी जगह बादशाह हुआ|45और यूबाब मर गया और हशाम जो तेमान के 'इलाक़े का था उसकी जगह बादशाह हो हुआ|46और हशाम मर गया और हदद बिन बिदद, जिसने मिदियानियों को मोआब के मैदान में मारा उसकी जगह बादशाह हुआ और उसके शहर का नाम 'अवीत था|47और हदद मर गया और शमला जो मसरिक़ा का था, उसकी जगह बादशाह हुआ|48और शमला मर गया और साउल जो दरिया-ए-फ़रात के पास के रहोबोत का बाशिंदा था उसकी जगह बादशाह हुआ|49और साउल मर गया और बा'ल-हनान बिन 'अकबोर उसकी जगह बादशाह हुआ|50और बा'ल-हनान मर गया और हदद उसकी जगह बादशाह हुआ; उसके शहर का नाम फ़ा'ई और उसकी बीवी का नाम महेतबेल था, जो मतरिद बिन्त मेज़ाहाब की बेटी थी|51और हदद मर गया| फिर यह अदोम के रईस हुए: रईस तिम्ना’, रईस अलियाह, रईस यतीत,52रईस उहलीबामा, रईस ऐला, रईस फ़ीनोन,53रईस क़नज़, रईस तेमान, रईस मिब्सार,54रईस मज्दिएल, रईस 'इराम; अदोम के रईस यही हैं|

Chapter 2

1यह बनी इस्राईल हैं: रूबिन, शमा'ऊन, लावी, यहूदाह, इश्कार और ज़बूलून,2दान, यूसुफ़, और बिनयमीन, नफ़्ताली, जद्द और आशर|3'एर और ओनान और सेला, यह यहूदाह के बेटे हैं; यह तीनों उससे एक कना'नी 'औरत बतसू'अ के बत्न से पैदा हुए| और यहूदाह का पहलौठा 'एर ख़ुदावंद की नज़र में एक शरीर था, इसलिए उसने उसको मार डाला;4और उसकी बहू तमर के उससे फ़ारस और ज़ारह हुए| यहूदाह के कुल पांच बेटे थे|5और फ़ारस के बेटे हसरोन और हमूल थे|6और ज़ारह के बेटे: ज़िमरी और ऐतान, हैमान और कलकूल और दारा', या'नी कुल पाँच थे|7और इस्राईल का दुख देने वाला 'अकर जिसने मख़्सूस की हुई चीज़ों में ख़यानत की, करमी का बेटा था;8और ऐतान का बेटा 'अज़रियाह था|9और हसरोन के बेटे जो उससे पैदा हुए यह हैं: यरहमिएल और राम और कुलूबी|10और राम से 'अम्मीनदाब पैदा हुआ और 'अम्मीनदाब से नह्सोन पैदा हुआ, जो बनी यहूदाह का सरदार था|11और नह्सोन से सलमा पैदा हुआ और सलमा से बो'अज़ पैदा हुआ|12और बो'अज़ से 'ओबेद पैदा हुआ और 'ओबेद से यस्सी पैदा हुआ|13यस्सी से उसका पहलौठा 'अलियाब पैदा हुआ, और इबीनदाब दूसरा, और सिमा' तीसरा,14नतनिएल चौथा, रद्दी पाँचवाँ,15'ओज़म छठा, दाऊद सातवाँ,16और उनकी बहनें ज़रुयाह और अबीजेल थीं| अबीशै और युआब और 'असाहेल, यह तीनों ज़रुयाह के बेटे हैं|17और अबीजेल से 'अमासा पैदा हुआ, और 'अमासा का बाप इस्माईली यतर था|18और हसरोन के बेटे कालिब से, उसकी बीवी 'अज़ूबा और यरी'ओत के औलाद पैदा हुई| 'अज़ूबा के बेटे यह हैं: यशर और सूबाब और अरदून|19और 'अज़ूबा मर गई, और कालिब ने इफ़रात को ब्याह लिया जिसके बत्न से हूर पैदा हुआ|20और हूर से ऊरी पैदा हुआ और ऊरी से बज़लिएल पैदा हुआ|21उसके बा'द हसरोन जिल'आद के बाप मकीर की बेटी के पास गया; जिससे उसने साठ बरस की 'उम्र में ब्याह किया था और उसके बत्न से शजूब पैदा हुआ|22और शजूब से याईर पैदा हुआ| जो मुल्क-ए-जिल'आद में तेईस शहरों का मालिक था|23और जसूर और अराम ने याईर के शहरों को और क़नात को म'ए उसके क़स्बों के या'नी साठ शहरों को उन से ले लिया| यह सब जिल'आद के बाप मकीर के बेटे थे|24और हसरोन के कालिब इफ़राता में मर जाने के बा'द हसरोन की बीवी अबियाह के उससे अशूर पैदा हुआ जो तक़ू'अ का बाप था|25और हसरोन के पहलौठे, यरहमिएल के बेटे यह हैं: राम जो उसका पहलौठा था और बूना और ओरन और ओज़म और अख़ियाह|26और यरहमिएल की एक और बीवी थी जिसका नाम 'अतारा था| वह ओनाम की माँ थी|27और यरहमिएल के पहलौठे राम के बेटे मा'ज़ और यमीन 'एकर थे|28और ओनाम के बेटे: सम्मी और यदा'; और सम्मी के बेटे: नदब और अबीसूर थे|29और अबीसूर की बीवी का नाम अबीख़ैल था| उसके बत्न से अख़बान और मोलिद पैदा हुए|30और नदब के बेटे: सिलिद अफ़्फ़ाईम थे लेकिन सिलिद बे औलाद मर गया|31और अफ़्फ़ाईम का बेटा यस'ई; और यस'ई का बेटा सीसान; और सीसान का बेटा अख़ली था|32और सम्मी के भाई यदा' के बेटे: यतर और यूनतन थे; और यतर बे औलाद मर गया|33और यूनतन के बेटे: फ़लत और ज़ाज़ा; यह यरहमिएल के बेटे थे|34और सीसान के बेटे नहीं सिर्फ़ बेटियाँ थीं और सीसान का एक मिस्री नौकर यरख़ा' नामी था|35इसलिए सीसान ने अपनी बेटी को अपने नौकर यरख़ा' से ब्याह दिया, और उसके उससे 'अत्ती पैदा हुआ|36और अत्ती से नातन पैदा हुआ, और नातन से ज़ाबा'द पैदा हुआ,37और ज़ाबा'द से इफ़लाल पैदा हुआ और इफ़लाल से 'ओबेद पैदा हुआ|38और 'ओबेद से याहू पैदा हुआ और याहू से 'अज़रयाह पैदा हुआ39और अज़रयाह से ख़लस पैदा हुआ, और ख़लस से इलि, आसा पैदा हुआ,40और इलि'आसा से सिसमी पैदा हुआ, और सिसमी से सलूम पैदा हुआ|41और सलूम से यक़मियाह पैदा हुआ और यक़मियाह से इलीसमा' पैदा हुआ|42यरहमिएल के भाई कालिब के बेटे यह हैं: मीसा उसका पहलौठा जो ज़ीफ़ का बाप है, और हबरून के बाप मरीसा के बेटे|43और बनी हबरून: क़ोरह और तफ़्फ़ूह और रक़म और समा' थे|44और समा' से युरक़'आम का बाप रख़म पैदा हुआ, और रख़म से सम्मी पैदा हुआ|45और सम्मी का बेटा: म'ऊन था और म'ऊन बैतसूर का बाप था|46और कालिब की हरम ऐफ़ा से हरान और मौज़ा और जाज़िज़ पैदा हुए और हारान से जाज़िज़ पैदा हुआ|47और बनी यहदी: रजम और यूताम और जसाम और फ़लत और 'ऐफ़ा और शा'फ़ थे|48और कालिब की हरम मा'का से शिब्बर और तिरहनाह पैदा हुए|49उसी के बत्न से मदमन्नाह का बाप शा'फ़ और मकबीना का बाप सिवा और रहज और रिजबा' का बाप भी पैदा हुए; और कालिब की बेटी 'अकसा थी|50कालिब के बेटे यह थे| इफ़राता के पहलौठे हूर का बेटा क़रयत-या'रीम का बाप सोबल,51बैतलहम का बाप सलमा, और बैतजादिर का बाप ख़ारीफ़|52और क़रयत-यारीम के बाप सोबल के बेटे ही बेटे थे; हराई और मनोख़ोत के आधे लोग|53और क़रयत या'रीम के घराने यह थे: इतरी और फ़ूती और सुमाती और मिस्रा'ई इन्हीं से सुर'अती और इश्तावली निकले हैं|54बनी सलमा यह थे: बैतलहम और नतूफ़ाती और 'अतरात-बैतयुआब और मनूख़तियों के आधे लोग और सुर'ई,55और या'बीज़ के रहने वाले मुन्शियों के घराने, तिर'आती और सम'आती और सौकाती; यह वह क़ीनी हैं जो रैकाब के घराने के बाप हमात की नसल से थे|

Chapter 3

1यह दाऊद के बेटे हैं जो हबरून में उससे पैदा हुए: पहलौठा अमनोन, यज़र'एली अख़ीनू'अम के बत्न से; दूसरा दानिएल, कर्मिली अबीजेल के बत्न से;2तीसरा अबीसलोम, जो जसूर के बादशाह तल्मी की बेटी मा'का का बेटा था; चौथा अदूनियाह, जो हज्जियत का बेटा था|3पाँचवाँ सफ़तियाह, अबीताल ले बत्न से; छठा इतर'आम, उसकी बीवी 'इजला से|4यह छ: हबरून में उससे पैदा हुए| उसने वहाँ सात बरस छ: महीने हुकूमत की, और यरुशालीम में उसने तैंतीस बरस हुकूमत की|5और यह यरुशलीम में उससे पैदा हुए: सिम'आ और सूबाब और नातन और सुलेमान, यह चारों 'अम्मीएल की बेटी बतसू'अ के बत्न से थे|6और इब्हार और इलीसमा' और अलीफ़लत,7और नुजा और नफ़ज और यफ़ी'आ,8और अलीसमा' और इलीदा' और अलीफ़लत; यह नौ9यह सब हरमों के बेटों के 'अलावा दाऊद के बेटे थे; और तमर इनकी बहन थी10और सुलेमान का बेटा रहुब'आम था उसका बेटा अबियाह, उसका बेटा आसा, उसका बेटा यहूसफ़त;11उसका बेटा यूराम, उसका बेटा अख़ज़ियाह, उसका बेटा यूआस;12उसका बेटा अमसियाह, उसका बेटा 'अज़रयाह, उसका बेटा यूताम;13उसका बेटा आख़ज़, उसका बेटा हिज़कियाह, उसका बेटा मनस्सी|14उसका बेटा अमून, उसका बेटा यूसियाह;15और यूसियाह के बेटे यह थे: पहलौठा यूहनान, दूसरा यहूयक़ीम, तीसरा सिदक़ियाह, चौथा सलूम|16और बनी यहूयक़ीम: उसका बेटा यकूनियाह, उसका बेटा सिदक़ियाह|17और यकूनियाह जो ग़ुलाम था, उसके बेटे यह हैं: सियालतिएल,18और मल्कराम और फ़िदायाह और शीनाज़र, यक़मियाह, होसमा' और नदबियाह;19और फ़िदायाह के बेटे यह हैं: ज़रब्बाबुल और सिम'ई और ज़रब्बाबुल के बेटे यह हैं: मुसल्लाम और हनानियाह, और सल्लूमियत उनकी बहन थी,20और हसूबा और अहल और बरकियाह और हसदियाह, यूसजसद यह पाँच|21और हनानियाह के बेटे यह हैं: फ़लतियाह और यसा'याह| बनी रिफ़ायाह, बनी अरनान, बनी 'ईदयाह, बनी सकनियाह,22और सकनियाह का बेटा: समा'याह और बनी समा'याह: हतूश और इजाल और बरीह और ना'रियाह और साफ़त' यह छ:|23और ना'रियाह के बेटे यह थे: इल्यू'ऐनी, और हिज़क़ियाह और 'अज़रीक़ाम, यह तीन|24और बनी इल्यू'ऐनी यह थे: हूदैवाहू और 'अलियासब और फ़िलायाह और 'अक़्क़ूब और युहनान और दिलायाह 'अनानी, यह सात|

Chapter 4

1बनी यहूदाह यह हैं: फ़ारस, हसरोन और कर्मी और हूर और सोबल|2और रियायाह बिन सोबल से यहत पैदा हुआ और यहत से अख़ूमी और लाहद पैदा हुए, यह सुर'अतियों के ख़ानदान हैं|3और यह 'ऐताम के बाप से हैं: यज़र'एल और इसमा' और इदबास और उनकी बहन का नाम हज़िल-इलफ़ूनी था;4और फ़नूएल जदूर का बाप और 'अज़र हूसा का बाप था| यह इफ़राता के पहलौठे हूर के बेटे हैं| जो बैतलहम का बाप था|5और तकू'अ के बाप अशूर की दो बीवियां थीं हीलाह और ना'रा|6और ना'रा के उससे अख़ूसाम और हिफ़्र और तेमनी और हख़सतरी पैसा हुए| यह ना'रा के बेटे थे|7और हीलाह के बेटे: ज़रत और यज़ूआर और इतनान थे|8क़ूज़ से 'अनूब और ज़ोबीबा और हरूम के बेटे आख़रख़ैल के घराने पैदा हुए|9और या'बीज़ अपने भाइयों से मु'अज़िज़्ज़ था और उसकी माँ ने उसका नाम या'बीज़ रक्खा क्यूँकि कहती थी, की मैंने ग़म के साथ उसे जनम दिया है|”10और याबीज़ ने इस्राईल के ख़ुदा से यह दु'आ की, आह, तू मुझे वाक़'ई बरकत दे, और मेरी हुदूद को बढ़ाए, और तेरा हाथ मुझ पर हो और तू मुझे बदी से बचाए ताकि वह मेरे ग़म का ज़रि'अ न हो!” और जो उसने माँगा ख़ुदा ने उसको बख़्शा|11और सूख़ा के भाई कलूब से महीर पैदा हुआ जो इस्तून का बाप था|12और इस्तून से बैतरिफ़ा और फ़ासह और 'ईरनहस जा बाप तख़िन्ना पैदा हुए| यही रैका के लोग हैं|13और क़नज़ के बेटे: ग़ुतनिएल और शिरायाह थे, और ग़ुतनिएल का बेटा हतत था|14और म'ऊनाती से 'उफ़रा पैदा हुआ, और शिरायाह से युआब पैदा हुआ जो जिख़राशीम का बाप है; क्यूँकि वह कारीगर थे|15और यफ़ुन्ना के बेटे कालिब के बेटे यह हैं: 'ईरु और ऐला और ना'म; और बनी ऐला: क़नज़|16और यहलिलएल के बेटे यह हैं: ज़ीफ़ और ज़ीफ़ा, तैरयाह और असरिएल|17और 'अज़रा के बेटे यह हैं: यतर और मरद और 'इफ़्र और यलून और उसके बत्न से मरियम और सम्मी और इस्तमू'अ का बाप इस्बाह पैदा हुए,18और उसकी यहूदी बीवी के उस से जदूर का बाप यरद और शोको का बाप हिब्र और ज़नूह का बाप यक़ूतिएल पैदा हुए; और फ़िरऔन की बेटी बित्याह के बेटे जिसे मरद ने ब्याह लिया था यह हैं|19और यहूदियाह की बीवी नहम की बहन के बेटे क़'ईलाजर्मी का बाप और इस्मतू'अ मा'काती थे|20और सीमोन के बेटे यह हैं: अमनून और रिन्ना, बिनहन्नान और तीलोन, और यस'ई के बेटे: ज़ोहित और बिनज़ोहित थे|21और सैला बिन यहूदाह के बेटे यह हैं: 'एर, लका का बाप; और ला'दा, मरीसा का बाप और बीत-अशबि'अ के घराने, जो बारीक कटान का काम करते थे|22और योक़ीम और कोज़ीबा के लोग, और यूआस और शराफ़ जो मोआब के बीच ~हुक्मरान थे, और यसूबी लहम| यह पुरानी तवारीख़ है|23यह कुम्हार थे और नताईम और गदेरा के बाशिंदे थे| वह वहाँ बादशाह के साथ उसके काम के लिए रहते थे|24बनी शमा'ऊन यह हैं: नमुएल, और यमीन, यरीब, ज़ारह, साऊल|25और सूल का बेटा सलूम और सलूम का बेटा मिब्साम, और मिब्साम का बेटा मिशमा'अ|26और मिशमा'अ के बेटे यह हैं: हमुएल हमुएल का बेटा ज़कूर, ज़कूर का बेटा सिम'ई|27और सिम'ई के सोलह बेटे और छ: बेटियाँ थीं, लेकिन उसके भाइयों के बहुत औलाद न हुईं और उनके सब घराने बनी यहूदाह की तरह न बढ़े|28और वह बैरसबा' और मोलादा और हसरसो'आल,29और बिलहा और 'अज़म और तोलाद,30और बतुएल और हुरमा और सिक़लाज,31और मरकबोत और हसर सूसीम और बैतबराई और शा'रीम में रहते थे| दाऊद की हुकूमत तक यही उनके शहर थे|32और उनके गाँव: 'ऐताम और 'ऐन और रिमोन और तोकन और 'असन, यह पाँच शहर थे|33और उनके रहने देहात भी, जो बा'ल तक उन शहरों के आस पास थे यह उनके रहने के मुक़ाम थे और उनके नसबनामे हैं|34और मिसोबाब, यमलीक और योशा बिन अमसियाह,35और यूएल और याहू बिन यूसीबियाह बिन शिरायाह बिन 'असिएल,36और इल्यू'ऐनी और या'क़ूबा और यसुखाया और 'असायाह और 'अदिएल और यिसीमिएल और बिनायाह,37और ज़ीज़ा बिन शिफ़'ई बिन अल्लूनबिन यदायाह बिन सिमरी बिन समा'याह:38यह जिनके नाम मज़कूर हुए, अपने अपने घराने के सरदार थे और इनके आबाई ख़ानदान बहुत बढ़े|39और वह जदूर के मदख़ल तक या'नी उस वादी के पूरब तक अपने गल्लों के लिए चरागाह ढूँडने गए,40वहाँ उन्होंने अच्छी और सुथरी चरागाह पायी और मुल्क वसी' और चैन और सुख की जगह था; क्यूँकि हाम के लोग क़दीम से उस में रहते थे|41और वह जिनके नाम लिखे गए हैं, शाह-ए-यहूदाह हिज़क़ियाह के दिनों में आये और उन्होंने उनके पड़ाव पर हमला किया और म'ऊनीम को जो वहाँ मिले क़त्ल किया, ऐसा की वह आज के दिन तक मिटे हैं, और उनकी जगह रहने लगे क्यूँकि उनके गल्लों के लिए वहाँ चरागाह थी|42और उनमें से या'नी शमा'ऊन के बेटों में से पाँच सौ शख़्स कोह-ए-श'ईर को गए और यस'ई के बेटे फ़लतियाह और ना'रियाह और रिफ़ायाह और 'उज़्ज़ीएल उनके सरदार थे;43और उन्होंने उन बाक़ी 'अमालीक़ियों को जो बच रहे थे क़त्ल किया और आज के दिन तक वहीं बसे हुए हैं|

Chapter 5

1और इस्राईल के पहलौठे रूबिन के बेटे (क्यूँकि वह उसका पहलौठा था, लेकिन इसलिए की उसने अपने बाप के बिछौने को नापाक किया था उसके पहलौठे होने का हक़ इस्राईल के यूसुफ़ की औलाद को दिया गया, ताकि नसबनामा पहलौठे पन के मुताबिक़ न हो|2क्यूँकि यहूदाह अपने भाइयों से ताक़तवर ~हो गया और सरदार उसी में से निकला लेकिन पहलौठे का यूसुफ़ का हुआ)3इसलिए इस्राईल के पहलौठे रूबिन के बेटे यह हैं: हनूक और फ़ल्लू और हसरोन और कर्मी|4यूएल के बेटे यह हैं: उसका बेटा समा'याह, सम'याह का बेटा जूज, जूज का बेटा सिम'ई|5सिम'ई का बेटा मीकाह, मीकाह का बेटा रियायाह, रियायाह का बेटा बा'ल|6बा'ल का बेटा बईरा जिसको असूर का बादशाह तिलगातपिलनासर ग़ुलाम कर के ले गया| वह रूबीनियों का सरदार था|7और उसके भाई अपने अपने घराने के मुताबिक़ जब उनकी औलाद का नसब नामा लिख्खा गया था, सरदार य'ईएल और ज़करियाह,8और बाला' बिन 'अज़ज़ बिन समा' योएल, वह 'अरो'ईर में नबू और बा'ल म'ऊन तक,9और पूरब की तरफ़ दरिया-ए-फ़रात से वीरान में दाख़िल होने की जगह तक बसा हुआ था क्यूँकि मुल्क-ए-जिल'आद में उनके चौपाये बहुत बढ़ गए थे|10और साऊल के दिनों में उन्होंने हाजिरियों से लड़ाई की जो उनके हाथ से क़त्ल हुए, और वह जिल'आद के पूरब के सारे 'इलाक़े में उनके डेरों में बस गए|11और बनी जद उनके सामने मुल्क-ए-बसन में सिलका तक बसे हुए थे|12पहला यूएल था, और साफ़म दूसरा, और या'नी और साफ़त बसन में थे|13और उनके आबाई ख़ानदान के भाई यह हैं: मीकाएल और मुसल्लाम और सबा' और यूरी और या'कान और ज़ी'अ और 'इब्र, यह सातों|14यह बनी अबिखैल बिन हूरी बिन यारूआह बिन जिल'आद बिन मीकाएल बिन यमीसी बिन यहदू बिन बूज़ थे|15अख़ी बिन 'अबदिएल बिन जूनी इनके आबाई ख़ानदानों का सरदार था|16और वह बसन में जिल'आद और उसके क़स्बों और शारून की सारे 'इलाक़ा में, जहाँ तक उनकी हद्द थी, बसे हुए थे|17यहूदाह के बादशाह यूताम के दिनों में, और इस्राईल के बादशाह युरब'आम के दिनों ~में उन उन सभों के नाम उनके नसबनामों के मुताबिक़ लिखे गए|18और बनी रूबिन और जद्दियों और मनस्सी के आधे क़बीले में सूर्मा, या'नी ऐसे लोग जो सिपर और तेग़ उठाने के क़ाबिल और तीरअन्दाज़ और जंग आज़मूदा थे, चौवालीस हज़ार सात सौ साठ थे जो जंग पर जाने के लायक़ थे|19यह हजिरियों और यतूर और नफ़ीस और नोदब से लड़े|20और उनसे मुक़ाबिला करने के लिए मदद पायी, और हाजिरी और सब जो उनके साथ थे उनके हवाले किए गए क्यूँकि उन्होंने लड़ाई में ख़ुदा से दु'आ की और उनकी दु'आ क़ुबूल हुई, इसलिए की उन्होंने उस पर भरोसा रख्खा|21और वह उनकी मवेसी ले गए; उनके ऊँटों में से पचास हज़ार और भेड़ बकरियों में से ढाई लाख और गधों में से दो हज़ार और आदमियों में से एक लाख|22क्यूँकि बहुत से लोग क़त्ल हुए इसलिए की जंग ख़ुदा की थी और वह ग़ुलामी के वक़्त तक उनकी जगह बसे रहे|23और मनस्सी के आधे क़बीले के लोग मुल्क में बसे| वह बसन से बा'लहरमून और सनीर और हरमून के पहाड़ तक फैल गए|24उनके आबाई ख़ानदानों के सरदार यह थे: 'इफ़्र और यिस'ई और इलीएल, 'अज़रिएल, यरमियाह और हुदावियाह और यहदएल, जो ताक़तवर सूर्मा और नामवर और अपने आबाई ख़ानदानों के सरदार थे|25और उन्होंने अपने बाप दादा के ख़ुदा की हुक्म 'उदूली की, और जिस मुल्क के बाशिंदों को ख़ुदा ने उनके सामने से हलाक किया था, उन ही के मा'बूदों की पैरवी में उन्होंने ज़िनाकारी की|26तब इस्राईल के ख़ुदा ने असूर के बादशाह पूल के दिल को और असूर के बादशाह तिलगातपलनासर के दिल को उभारा, और वह उनकी या'नी रूबिनियों और जद्दियों और मनस्सी के आधे क़बीले को ग़ुलाम कर के ले गए और उनको ख़लह और ख़ाबूर और हारा और जौज़ान की नदी तक ले आये; यह आज के दिन तक वहीं हैं|

Chapter 6

1बनी लावी: जैरसोन, क़िहात, और मिरारी हैं|2और बनी क़िहात: 'अमराम और इज़हार और हबरून और 'उज़्ज़िएल|3और 'अमराम की औलाद: हारून और मूसा और मरियम| और बनी हारून: नदब और अबीहू इली'अज़र और इतमर|4इली'अज़र से फ़ीनहास पैदा हुआ और फ़ीनहास से अबिसू' पैदा हुआ,5और अबीसू'अ से बुक़्क़ी पैदा हुआ, और बुक़्क़ी 'उज़्ज़ी पैदा हुआ|6और उज़्ज़ी ज़राख़ियाह पैदा हुआ हुआ, और ज़राख़ियाह से मिरायोत पैदा हुआ|7मिरायोत से अमरियाह पैदा हुआ, और अमरियाह अख़ितोब पैदा हुआ|8और अख़ितोब सदूक़ पैदा हुआ, और सदूक़ से अख़ीमा'ज़ पैदा हुआ|9और अख़ीमा'ज़ से 'अज़रियाह पैदा हुआ, और 'अज़रियाह से यूहनान पैदा हुआ,10और यूहनान से अज़रियाह पैदा हुआ (यह वह है जो उस हैकल में जिसे सुलेमान ने यरुशलीम में बनाया था, काहिन था)|11और 'अज़रियाह से अमरियाह पैदा हुआ और अमरियाह से अख़ितोब पैदा हुआ|12और अख़ितोब से सदूक़ पैदा हुआ और सदूक़ से सलूम पैदा हुआ|13और सलूम से ख़िलक़ियाह पैदा हुआ और ख़िलक़ियाह से 'अज़रियाह पैदा हुआ|14और 'अज़रियाह से सिरायाह पैदा हुआ और सिरायाह से यहूसदक़ पैदा हुआ|15और जब ख़ुदावन्द ने नबूकदनज़र के हाथ यहूदाह और यरुशलीम को जिला वतन कराया, तो यहूसदक़ भी ग़ुलाम हो गया|16बनी लावी: जैरसोम क़िहात, और मिरारी हैं|17और जैरसोम के बेटों के नाम यह हैं: लिबनी और सिम'ई|18और बनी क़िहात: 'अमराम और इज़हार और हबरून और 'उज़्ज़ीएल थे|19मिरारी के बेटे यह हैं: महली और मूशी और लावियों के घराने उनके आबाई ख़ानदानों के मुताबिक़ यह हैं|20जैरसोम से उसका बेटा लिबनी| लिबनी का बेटा यहत, यहत का बेटा ज़िम्मा|21ज़िम्मा का बेटा यूआख़, यूआख़ का बेटा 'ईदू, 'ईदू का बेटा ज़ारह, ज़ारह का बेटा यतरी|22बनी क़िहात: क़िहात का बेटा अम्मीनदाब, का बेटा अम्मीनदाब का बेटा क़ोरह, क़ोरह का बेटा अस्सीर,23अस्सीर का बेटा इल्क़ाना| इल्क़ाना का बेटा अबी आसफ़| अबी आसफ़ का बेटा अस्सीर|24अस्सीर का बेटा तहत, तहत का बेटा ऊरिएल| ऊरिएल का बेटा उज़्ज़ियाह, 'उज़्ज़ियाह का बेटा साऊल|25और इल्क़ाना के बेटे यह हैं: 'अमासी और अख़ीमोत|26रहा इल्क़ाना तो, इल्क़ाना के बेटे यह हैं: या'नी उसका बेटा सूफ़ी, सूफ़ी का बेटा नहत|27नहत का बेटा इलियाब, इलियाब का बेटा यरुहाम, यरुहाम का बेटा इल्क़ाना|28समुएल के बेटों में पहलौठा यूएल, दूसरा अबियाह|29बनी मिरारी यह हैं: महली, महली का बेटा लिबनी, लिबनी का बेटा सम'ई, सम'ई का बेटा 'उज़्ज़ा,30'उज़्ज़ा का बेटा सिम'आ, सिम'आ का बेटा हिज्जियाह हिज्जियाह, का बेटा 'असायाह|31वह जिनको दाऊद ने सन्दूक़ के ठिकाना पाने के बा'द ख़ुदावन्द के घर में हम्द के काम पर मुक़र्रर किया यह हैं:32और वह जब तक सुलेमान यरुशलीम में ख़ुदावन्द का घर बनवा न चुका हम्द गा गा कर ख़ेमा-ए-इज्तिमा'अ के मसकन के सामने ख़िदमत करते रहे और अपनी अपनी बारी के मुवाफ़िक़ अपने काम पर हाज़िर रहते थे|33और जो हाज़िर रहते थे वह और उनके बेटे यह हैं: क़िहातियों की औलाद में से हैमान गवय्या बिन यूएल बिन समुएल|34बिन इल्क़ाना बिन यरुहाम, बिन इलीएल, बिन तूह|35बिन सूफ़ बिन इल्क़ाना बिन महत बिन 'अमासी|36बिन इल्क़ाना बिन यूएल बिन 'अज़रियाह बिन सफ़नियाह|37बिन तहत बिन अस्सीर बिन अबी आसफ़बिन क़ोरह|38बिन इज़हार बिन क़िहात बिन लावी बिन इस्राईल|39और उसका भाई आसफ़ जो उसके दहने खड़ा होता था, या'नी आसफ़ बिन बरकियाह बिन सिम'आ|40बिन मीकाएल बिन बा'सियाह बिन मलकियाह|41बिन अतनी बिन जारह बिन 'अदायाह|42बिन ऐतान बिन ज़िम्मा बिन सिम'ई|43बिन यहत बिन जैरसोम बिन लावी|44और बनी मिरारी उनके भाई बाएं हाथ खड़े होते थे या'नी ऐतान बिन क़ीसी बिन 'अबदी बिन मुलोक|45बिन हसबियाह बिन अमसियाह बिन ख़िलक़ियाह|46बिन अमसी बिन बानी बिन सामर|47बिन महली बिन मूशी नीं मिरारी बिन लावी|48और उनके भाई लावी बैत उल्लाह के घर की सारी ख़िदमत पर मुक़र्रर थे|49लेकिन हारून और उसके बेटे सोख़्तनी क़ुर्बानी के मज़बह और ख़ुशबू जलाने की क़ुर्बानगाह दोनों पर पाकतरीन मकान की सारी ख़िदमत को अंजाम देने और इस्राईल के लिए कफ़्फ़ारा देने के लिए जैसा ख़ुदा बन्दे मूसा ने हुक्म किया था क़ुर्बानी पेश करते थे|50बनी हारून यह हैं: हारून का बेटा इलीअज़र, इलीअज़र का बेटा फ़ीनहास, फ़ीनहास का बेटा अबीसू'अ|51अबीसू'अ का बेटा बुक़्क़ी, बुक़्क़ी का बेटा 'उज़्ज़ी, 'उज़्ज़ी का बेटा ज़राखियाह|52ज़राखियाह का बेटा मिरायोत, मिरायोत का बेटा अमरियाह, अमरियाह का बेटा अख़ीतोब|53अख़ीतोब का बेटा सदूक़, सदूक़ का बेटा अख़ीमा'ज़|54और उनकी हुदूद में उनकी छावनियों के मुताबिक़ उनकी सुकूनतगाहें यह हैं; बनी हारून में से क़िहातियों के ख़ानदानों को, जिनकी पर्ची पहली निकली|55उन्होंने यहूदाह की ज़मीन में हबरून और उसका 'इलाक़ा की दिया|56लेकिन उस शहर के खेत और उसके देहात युफ़न्ना के बेटे कालिब को दिए|57और बनी हारून को उन्होंने पनाह के शहर दिए और हबरून और लिबनाह भी और उसका 'इलाक़ा और यतीर और इस्तमू'अ और उसका 'इलाक़ा|58और हैलान और उसका 'इलाक़ा, और दबीर और उसका 'इलाक़ा,59और 'असन और उसका 'इलाक़ा, और बैत समा' और उसका 'इलाक़ा|60और बिनयमीन के क़बीले में से जिबा' और उसका 'इलाक़ा, और 'अलमत और~उसका 'इलाक़ा, और 'अन्तोत और~उसका इलाक़ा, उनके घरानों के सब शहर तेरह थे|61और बाक़ी बनी क़िहात को आधे क़बीले, या'नी मनस्सी के आधे क़बीले में से दस शहर पर्ची डालकर दिए गए|62और जैरसोम के बेटों को उनके घरानों के मुताबिक़ इश्कार के क़बीले और और आशर के क़बीले और नफ़्ताली के क़बीले और मनस्सी के क़बीले से जो बसन में था तेरह शहर मिले|63मिरारी के बेटों को उनके घरानों के मुताबिक़ रुबिन के क़बीले, और जद के क़बीले और ज़बूलून के क़बीले में से बारह शहर पर्ची डालकर दिए गए|64~फिर बनी इस्राईल ने लावियों को वह शहर उनका 'इलाक़ा समेत दिए|65और उनोने बनी यहूदाह के क़बीले, और बनी शमा'ऊन के क़बीले, और बनी बिनयमीन के क़बीले, में से यह शहर जिनके नाम मज़कूर हुए पर्ची डालकर दिए|66और बनी क़िहात के कुछ ख़ानदानों के पास उनकी सरहद्दों के शहर इफ़्राईम के क़बीले में से थे|67और उन्होंने उनको पनाह के शहर दिए या'नी इफ़्राईम के पहाड़ी मुल्क में सिक्म और उसका 'इलाक़ा और जज़र भी और उसका 'इलाक़ा|68और युक़म'आम और उसका 'इलाक़ा और बैतहौरून और उसका 'इलाक़ा|69और अय्यलोन और उसका 'इलाक़ा, नाफ़्ताली और जातरिम्मोन और उसका 'इलाक़ा|70और मनस्सी के आधे क़बीले में से आज़र और उसका 'इलाक़ा, और बिल'आम और उसका 'इलाक़ा बनी क़िहात के बाक़ी ख़ानदान को मिली|71बनी जैरसोम को मनस्सी के आधे क़बीले के ख़ानदान जोलान और उसका इलाक़ा, बसन में और असारात और उसका 'इलाक़ा|72और इश्कार के क़बीले में से क़ादिस और उसका 'इलाक़ा| दाबरात और उसका 'इलाक़ा|73और रामात और उसका 'इलाक़ा, और 'आनीम और उसका 'इलाक़ा|74और आसर के क़बीले में से मसल और उसका 'इलाक़ा, और 'अबदोन और उसका 'इलाक़ा|75और हक़ूक़ और उसका 'इलाक़ा, और रहोब और उसका 'इलाक़ा|76और नफ़्ताली के क़बीले में से क़ादिस और उसका 'इलाक़ा गालील में, और हम्मून और उसकी नवाही, क़रयताइम और उसका 'इलाक़ा, मिला|77बाक़ी लावियों, या'नी बनी मिरारी को ज़बलून के क़बीले में से रिम्मोन और उसकी नवाही, और तबूर और उसका 'इलाक़ा,78यरीहू के नज़दीक यरदन के पार या'नी यरदन की पूरब की तरफ़, रूबिन के क़बीले में से वीरान में बसर और उसका 'इलाक़ा, और यहसा और उसका 'इलाक़ा;79और क़दीमात और उसका 'इलाक़ा, और मिफ़'अत और उसका 'इलाक़ा;80और जद्द के क़बीले में से रामात और उसका 'इलाक़ा, जिल'आद में, और महनायम और उसका 'इलाक़ा,81और हस्बोन और उसका 'इलाक़ा, और याज़ेर और उसका 'इलाक़ा मिली

Chapter 7

1और बनी इश्कार यह हैं: तोला' और फ़ुव्वा और यसूब और सिमरोन, यह चारों|2और बनी तोला': 'उज़्ज़ी और रिफ़ायाह और यरीएल और यहमी और इबसाम और समुएल, जो तोला' या'नी अपने आबाई ख़ानदानों के सरदार थे| वह अपने ज़माने में ताक़तवर सूर्मा थे और दाऊद के दिनों में उनका शुमार बाइस हज़ार छ: सौ था|3और 'उज़्ज़ी का बेटा इज़राख़ियाह और इज़राख़ियाह के बेटे यह हैं: मीकाएल और 'अबदियाह और यूएल और यसय्याह यह पाँचों यह सब के सब सरदार थे|4और उनके साथ अपनी अपनी पुश्त और अपने अपने आबाई ख़ानदान के मुताबिक़ जंगी लश्कर के दल थे जिन में छत्तीस हज़ार जवान थे क्यूँकि उनके यहाँ बहुत सी बीवियाँ और बेटे थे|5और उनके भाई इश्कार के सब घरानों में ताक़तवर सूर्मा थे और नसब नामे के हिसाब के मुताबिक़ कुल सत्तासी हज़ार थे|6और बनी बिनयमीन यह हैं: बाला' और बक्र और यदय'एल, यह तीनों7और बनी बाला': इसबून और 'उज़्ज़ी और 'उज़्ज़ीएल और यरीमोत और 'ईरी, यह पाँचों| यह अपने आबाई ख़ानदानों के सरदार और ताक़तवर सूर्मा थे और नसब नामे के हिसाब के मुताबिक़ बाइस हज़ार चौंतीस थे|8और बनी बक्र यह हैं: ज़मीरा और यूआस और इली'अज़र और इल्यू'ऐनी और 'उमरी और यरीमोत और अबियाह और 'अन्तोत और 'अलामत यह सब बक्र के बेटे थे|9इनकी नसल के लोग नसबनामे के मुताबिक़ बीस हज़ार दो सौ ताक़तवर सूर्मा और अपने आबाई ख़ानदानों के सरदार थे|10और यदा'एल का बेटा: बिलहान था| और बनी बिलहाँ यह हैं: य'ओस और बिनयमीन और अहूद और कना'ना और ज़ैतान और तरसीस और अख़ीसहर|11यह सब यदा'एल के बेटे जो अपने आबाई ख़ानदानों के सरदार और ताक़तवर सूर्मा थे, सत्तरह हज़ार दो सौ थे जो लश्कर के साथ जंग पर जाने के लायक़ थे|12और सुफ़्फ़ीम और हुफ़्फ़ीम 'ईर के बेटे, और हाशीम इहीर का बेटा|13बनी नफ़्ताली यह हैं: यहसीएल और जूनी और यसर और सलूम बनी बिल्हा|14बनी मनस्सी यह हैं: असरीएल और उसकी बीवी के बत्न से था ( उसकी अरामी हरम से जिल'आद का बाप मकीर पैदा हुआ|15और मकीर ने हफ़्फ़ीम और सुफ़्फ़ीम की बहन जिसका नाम मा'का था ब्याह लिया ) और दूसरे का नाम सिलाफ़हाद था, और सिलाफ़ हाद के पास बेटियां थीं|16और मकीर की बीवी मा'का के एक बेटा पैदा हुआ उसने उसका नाम फ़रस रख्खा और उसके भाई का नाम शरस था, और उसके बेटे औलाम रक़म थे|17और औलाम का बेटा बिदान था, यह जिल'आद बिन मकीर बिन मनस्सी के बेटे थे|18और उसकी बहन हम्मोलिकत से इशहूद और अबी'अज़र और महला पैदा हुआ|19बनी सिमीदा यह हैं: अख़ियान और सिक्म और लिक़ही और अनि'आम|20और बनी इफ़्राईम यह हैं: सूतलाह, सूतलाह का बेटा बरद, बरद का बेटा तहत, तहत का बेटा इली'अदा, इली'अदा का बेटा तहत,21तहत का बेटा ज़बद, ज़बद का बेटा सूतलाह था और 'अज़र और इली'अदा भी, जिनको जात के लोगों ने, जो उस मुल्क में पैदा हुए थे, मार डाला क्यूँकि वह उनकी मवैशी ले जाने को उतर आये थे|22और उनका बाप इफ़्राईम बहुत दिनों तक मातम करता रहा, और उसके भाई तसल्ली देने को आये|23और वह अपनी बीवी के पास गया और वह हामला हुई और उसके एक बेटा पैदा हुआ और इफ़्राईम ने उसका नाम बरि'आ रख्खा क्यूँकि उसके घर पर आफ़त आई थी|24(और उसकी बेटी सराह थी, जिसने नशेब और फ़राज़ के बैतहोरून और 'उज़्ज़न सराह को बनाया )|25और उसका बेटा रफ़ाह और रसफ़ भी और उसका बेटा तलाह, और तलाह का बेटा तहन,26तहन का बेटा ला'दान, ला'दान का बेटा 'अम्मीहूद, 'अम्मीहूद का बेटा इलीसमा'अ,27इलीसमा'अ का बेटा नून, नून का बेटा यहूसू'अ|28और उनकी मिल्कियत और बस्तियां यह हैं: बैतएल और उसके देहात, और मशरिक़ की तरफ़ ना'रान, और मग़रिब की तरफ़ जज़र और उसके देहात, और सिक्म भी और उसके देहात, 'उज़्ज़ा और उसके देहात तक;29और बनी मनस्सी की हुदूद के पास बैतशान और उसके देहात, ता'नाक और उसके देहात, मजिद्दो और उसके देहात, दोर और उसके देहात थे|इनमें यूसुफ़ बिन इस्राईल के बेटे रहते थे|30बनी आशर यह हैं: यिमना और इस्वाह और इस्वी और बरि'आ, और उनकी बहन सिरह|31और बरि'आ के बेटे: हिबर बिरज़ावीत का बाप मलकिएल थे|32और हिबर से यफ़लीत और सोमिर और ख़ूताम, और उनकी बहन सू'अ पैदा हुए|33और बनी यफ़लीत: फ़ासाक और और बिमहाल और 'असवात; यह बनी यफ़लीत हैं|34और बनी सामिर: अख़ी और रूह्जा और यहुब्बा और आराम थे|35और उसके भाई हीलम के बेटे: सूफ़ह और इमना' और सलस और 'अमल थे|36और बनी सूफ़ह: सूह और हरनफ़र और सू'अल और बैरी और इमराह,37बसर और हुद और सम्मा और सिलसा और इतरान और बैरा थे|38और बनी यतर: युफ़न्ना और फ़िसफ़ाह और अरा थे|39और बनी 'उल्ला: अरख़ और हनीएल और रिज़ियाह थे|40यह सब बनी आशार, अपने आबाई ख़ानदानों के, चुने हुए रईस और ताक़तवर सूर्मा और अमीरों के सरदार थे|उन में से जो अपने नसबनामे के मुताबिक़ जंग करने के लायक़ थे वह शुमार में छब्बीस हज़ार जवान थे|

Chapter 8

1और बिनयमीन से उसका पहलौठा बाला' पैदा हुआ, दूसरा और अशबेल, तीसरा अख़िरख़,2चौथा नूहा और पाँचवाँ रफ़ा|3औरे बाला' के बेटे अद्दार और जीरा और अबिहूद,4और अबिसू' और ना'मान और अख़ूह,5और जीरा और सफ़ूफ़ान और हूराम थे|6और अहूत के बेटे यह हैं (यह जिबा' के बाशिंदों के बीच आबाई ख़ानदानों के सरदार थे, और इन्हीं को ग़ुलाम करके मुनाहत को ले गए थे|):7या'नी नामान और अख़ियाह और और जीरा, यह इनको ग़ुलाम करके ले गया था, और उससे 'उज़्ज़ा और अख़ीहूद पैदा हुए|8और सहरीम से, मोआब के मुल्क में अपनी दोनों बीवियों हुसीम और बा'राह को छोड़ देने के बा'द लड़के पैदा हुए,9और उसकी बीवी हूदस के बत्न से यूबाब और ज़िबिया और मैसा और मलकाम,10और य'ऊज़ और सिक्याह और मिरमा पैदा हुए| यह उसके बेटे थे जो आबाई ख़ानदानों के सरदार थे|11और हुसीम से अबीतूब और इलफ़ा'ल पैदा हुए|12और बनी इलफ़ा'ल: 'इब्र और मिश'आम और सामिर थे|इसी ने ओनू और लुद और उसके देहात को आबा'द किया|13और बरि'आ और समा' भी जो अय्यलून के बाशिंदों के दरमियान आबाई ख़ानदानों के सरदार थे और जिन्होंने जात के बाशिंदों को भगा दिया|14और अख़ियू, शाशक़ और यरीमोत,15और ज़बदियाह और 'अराद और 'अदर,16और मीकाएल और इस्फ़ाह और यूख़ा, जो बनी बरि'आ हैं|17और ज़बदयाह और मुसल्लाम और हिज़क़ी और हिबर,18और यसमरी और यज़लियाह और यूबाब जो बनी इलफ़ा'ल हैं|19और यक़ीम और ज़िकरी और ज़बदी,20और इली'ऐनी और ज़लती और इलिएल,21और 'अदायाह और बरायाह और सिमरात, जो बनी सम'ई हैं|22और इसफ़ान और 'इब्र और इलिएल,23और 'अबदोन और ज़िकरी और हनान,24औरे हनानियाह और ऐलाम और अंतूतियाह,25और यफ़दियाह और फ़नूएल, जो बनी शाशक़ हैं|26और समसरी और शहारियाह और 'अतालियाह,27और या'रसियाह और इलियाह और ज़िकरी जो बनी यरोहाम हैं|28यह अपनी नसलों में आबाई ख़ानदानों के सरदार और रईस थे और यरुशलीम में रहते थे|29और जिबा'ऊन में जिबा'ऊन का बाप रहता था, जिसकी बीवी का नाम मा'का था|30और उसका पहलौठा बेटा 'अबदोन, और सूर और क़ीस, और बा'ल और नदब,31और जदूर और अख़ियू और ज़कर,32और मिक़लोत से सिमाह पैदा हुआ, और वह भी अपने भाइयों के साथ यरुशलीम में अपने भाइयों के सामने रहते थे|33और नयिर से क़ीस पैदा हुआ, क़ीस से साऊल पैदा हुआ, और साऊल से यहूनतन और मलकीशू और अबीनदाब और इशबा'ल पैदा हुए;34और यहूनतन का बेटा मरीबबा'ल था, मरीबबा'ल से मीकाह पैदा हुआ|35और बनी मीकाह: फ़ीतूँ और मलिक और तारी' और आख़ज़ थे|36और आख़ज़ से यहू'अदा पैदा हुआ, और यहू'अदा से 'अलमत और 'अज़मावत और ज़िमरी पैदा हुए; और ज़िमरी से मौज़ा पैदा हुआ|37और मौज़ा से बिन'आ पैदा हुआ; बिन'आ का बेटा राफ़ा', राफ़ा' का बेटा इली'असा, और इली'असा का बेटा असील,38और असील के छ: बेटे थे जिनके नाम यह हैं: 'अज़रीकाम, बोकिरू, और इस्मा'ईल और सग़रियाह और 'अबदियाह और हनान; यह सब असील के बेटे थे|39और उसके भाई 'ईशक़ के बेटे यह हैं: उसका पहलौठा औलाम, दूसरा य'ओस, तीसरा इलीफ़लत|40और औलाम के बेटे ताक़तवर सूर्मा और तीरंदाज़ थे, और उसके बहुत से बेटे और पोते थे जो डेढ़ सौ थे| यह सब बनी बिन यमीन में से थे|

Chapter 9

1फिर सारा इस्राईल नसबनामों के मुताबिक़ जो इस्राईल के बादशाहों की किताब में दर्ज हैं गिना गया और यहूदाह अपने गुनाहों की वजह से ग़ुलाम हो के बाबुल गया|2और वह जो पहले अपनी मिल्कियत और अपने शहरों में बसे वह इस्राईल और काहिन और लावी और नतनीम थे|3और यारुशलीम में बनी यहूदाह से और बनी बिनयमीन में से और बनी इफ़्राईम और मनस्सी में से यह लोग रहने लगे या'नी|4'ऊती बिन 'अम्मीहूद बिन 'उमरी बिन इमरी बिन बानी जो फ़ारस बिन यहूदाह की औलाद में से था|5और सैलानियों में से 'असायाह, जो पहलौठा था, और उसके बेटे|6और बनी ज़ारह में से, य'ऊएल और उनके छ: सौ नव्वे भाई|7और बनी बिन यमीन में से सल्लू बिन मुसल्लाम बिन हुदावियाह बिन हसीनुवाह,8और इब नियाह बिन यरुहाम औरे ऐला बिन 'उज़्ज़ी बिन बिन मिकरी और मुसल्लाम बिन सफ़तियाह बिन र'ऊएल बिन इबनियाह,9और उनके भाई जो अपने नसबनामों के मुताबिक़ नौ सौ छप्पन थे| यह सब आदमी अपने अपने आबाई ख़ानदान के आबाई ख़ानदानों के सरदार थे|10और काहिनों में से यद'अइयाह और यहुयरीब और यकीन,11और अज़रियाह बिन ख़िलक़ियाह बिन मुसल्लाम बिन सदोक़ बिन मिरायोत बिन अख़ीतोब, जो ख़ुदा के घर का नाज़िम था|12और 'अदायाह बिन यरोहाम बिन फ़शहूर बिन मलकियाह, और मासी बिन 'अदीइएल बिन याहज़ीराह बिन मुसल्लाम बिन मुसलमीत बिन इम्मेर,13और उनके भाई अपने आबाई ख़ानदानों के रईस एक हज़ार सात सौ आठ थे जो ख़ुदा के घर की ख़िदमत के काम के लिए बड़े क़ाबिल आदमी थे|14और लावियों में से यह थे: समा'याह बिन हसूब बिन 'अज़रीक़ाम बिन हसबियाह बनी मिरारी में से,15और बक़बक़र, हरस और जलाल और मतनियाह बिन मीकाह बिन ज़िकरी बिन आसफ़,16और 'अबदियाह बिन समा'याह बिन जलाल बिन यदूतून, और बरकियाह बिन आसा बिन इल्क़ाना, जो नतूफ़ातियों के देहात में बस गए थे|17और दरबानों में से सलोम और 'अक़्क़ूब और तलमून अख़ीमान और उनके भाई; सलूम सरदार था|18वह अब तक शाही फाटक पर मशरिक़ की तरफ़ रहे| बनी लावी की छावनी के दरबान यही थे|19और सलोम बिन क़ोरे बिन अबीआसफ़ बिन क़ोरह और उसके आबाई ख़ानदान के भाई या'नी क़ोरही, ख़िदमत की कारगुज़ारी पर त'इनात थे, और ख़ेमे के फाटकों के निगहबान थे|उनके बाप दादा ख़ुदावन्द की लश्कर गाह पर तैनात और मदख़ल के निगहबान थे|20और फ़ीनहास बिन इली'अज़र इस से पहले उनका सरदार था, और ख़ुदावन्द उसके साथ था|21ज़करियाह बिन मुसलमियाह ख़ेमा इज्तिमा'अ के दरवाज़े का निगहबान था|22यह सब जो फाटकों के दरबान होने को चुने गए दो सौ बारह थे| यह जिनको दाऊद और समुएल ग़ैब बीन ने इनको ओहदे पर मुक़र्रर किया था अपने नसबनामे के मुताबिक़ अपने अपने गाँव में गिने गए थे|23फिर वह और उनके बेटे ख़ुदावन्द के घर या'नी मसकन के घर के फाटकों की निगरानी बारी बारी से करते थे|24और दरबान चारों तरफ़ थे या'नी पूरब, पश्चिम, उत्तर, और दखखिन की तरफ़|25और उनके भाई जो अपने अपने गाँव में थे उनको सात सात दिन के बा'द बारी-बारी उनके साथ रहने को आना पड़ता था|26क्यूँकि चारों सरदार दरबान जो लावी थे ख़ास ओहदों पर मुक़रर्र थे और ख़ुदा के घर की कोठरियों और ख़ज़ानों पर मुक़र्रर थे|27और वह ख़ुदा के घर के आस-पास रहा करते थे क्यूँकि उसकी निगहबानी उनके ज़िम्मे थी और हर सुबह को उसे खोलना उनके ज़िम्मे था|28और उनमें से कुछ की तहवील में 'इबा'दत के बर्तन थे क्यूँकि वह उनको गिन कर अन्दर लाते और गिन कर निकालते थे|29और कुछ उनमें से सामान और मक़्दिस के सब बर्तनों और और मैदा और मय और तेल और लुबान और ख़ुशबूदार मसाल्हे पर मुक़र्रर थे|30और काहिनों के बेटों में से कुछ ख़ुशबूदार मसाल्हे का तेल तैयार करते थे|31और लावियों में से एक शख़्स मत्तितियाह जो क़ुरही सलूम का पहलौठा था, उन चीज़ों पर ख़ास तौर पर मुक़र्रर था जो तवे पर पकाई जाती थीं|32और उनके कुछ भाई जो क़िहातियों की औलाद में से थे, नज़्र की रोटियों पर तैनात थे कि हर सब्त को उसे तैयार करें|33और यह वह हम्द करने वाले हैं जो लावियों के आबाई ख़ानदानों के सरदार थे और कोठरियों में रहते और और ख़िदमत से मा'ज़ूर थे, क्यूँकि वह दिन रात अपने काम में मशग़ूल रहते थे|34यह अपनी अपनी नसलों में लावियों के आबाई ख़ानदानों के सरदार और रईस थे; और यरुशलीम में रहते थे|35और जिबा'ऊन में जिबा'ऊन का बाप य'ईएल रहता था, जिसकी बीवी का नाम मा'का था,36और उसका पहलौठा बेटा 'अबदोन, और सूर और क़ीसऔर बा'ल और नयिर और नदब,37और जदूर और अख़ियू और ज़करियाह और मिक़लोत;38मिक़लोत से सिम'आम पैदा हुआ, और वह भी अपने भाइयों के साथ यरुशलीम में अपने भाइयों के सामने रहते थे|39और नयिर से क़ीस पैदा हुआ और क़ीस से साऊल पैदा हुआ और साऊल से यूनतन और मलकीशू'अ और अबीनदाब और इशबा'ल पैदा हुए|40और यूनतन का बेटा मरीबबा'ल था और मरीबबा'ल से मीकाह पैदा हुआ|41और मीकाह के बेटे फ़ीतून और मलिक और तहरी' और आख़ज़ थे;42और आख़ज़ से या'रा पैदा हुआ, और या'रा से 'अलमत और अज़मावत और ज़िमरी पैदा हुए, और ज़िमरी से मौज़ा पैदा हुआ|43और मौज़ा से बिन'आ पैदा हुआ, बिन'आ का बेटा रिफ़ायाह, रिफ़ायाह का बेटा इली'असा, इली'असा का बेटा असील,44और असील के छ: बेटे थे और यह उनके नाम हैं: 'अज़रक़ाम, बोकिरू, और इस्मा'ईल और सग़रियाह और 'अबदियाह और हनान, यह बनी असील थे|

Chapter 10

1और फ़िलिस्ती इस्राईल से लड़े और इस्राईल के लोग फ़िलिस्तियों के आगे से भागे और पहाड़ी जिल्बू'आ में क़त्ल हो कर गिरे|2और फ़िलिस्तियों ने साऊल का और उसके बेटों का ख़ूब पीछा किया और फ़िलिस्तियों ने यूनतन और अबीनदाब और मलकीशू'अ को जो साऊल के बेटे थे क़त्ल किया|3और साऊल पर जंग दोबर हो गयी और तीरंदाज़ों ने उसे पा ~लिया और वह तीरंदाज़ों की वजह से परेशान था|4तब साऊल ने अपने सिलाहबरदार से कहा, अपनी तलवार खींच और उससे मुझे छेद दे ऐसा न हो कि यह नामख़्तून आकर मेरी बे 'इज़्ज़ती करें|"लेकिन उसके सिलाहबरदार ने न माना, क्यूँकि वह बहुत डर गया|तब साऊल ने अपनी तलवार ली और उस पर गिरा|5जब उसके सिलाहबरदार ने देखा कि साऊल मर गया तो वह भी तलवार पर गिरा और मर गया|6तब साऊल मर गया और उसके तीनों बेटे भी और उसका सारा ख़ानदान एक साथ मर मिटा|7जब सब इस्राईली लोगों ने जो वादी में थे देखा कि लोग भाग निकले और साऊल और उसके बेटे मर गए हैं, तो वह अपने शहरों को छोड़कर भाग गए और फ़िलिस्ती आकर उनमें बसे|8और दूसरे दिन सुबह को जब फ़िलिस्ती मक़्तूलों को नंगा करने आये, तो उन्होंने साऊल और उसके बेटों को कोहे जिल्बू'आ पर पड़े पाया|9तब उन्होंने उसको नंगा किया और उसका सिर और उसके हथियार ले लिए, और फ़िलिस्तियों के मुल्क में चारों तरफ़ लोग रवाना कर दिए ताकि उनके बुतों और लोगों के पास उस ख़ुशख़बरी को पहुँचायें|10और उन्होंने उसके हथियारों को अपने मा'बूदों के मंदिर में रख्खा और उसके सिर को दजून के मंदिर में लटका दिया|11जब यबीस जिल'आद के सब लोगों ने, जो कुछ फ़िलिस्तियों ने साऊल से किया था सुना|12तो उनमें के सब बहादुर उठे और साऊल की लाश और उसके बेटों की लाशें लेकर उनको यबीस में लाये, और उनकी हड्डियों को यबीस के बलूत के नीचे दफ़्न किया और सात दिन तक रोज़ा रख्खा|13फिर साऊल अपने गुनाह की वजह से, जो उसने ख़ुदावन्द के सामने किया था मरा; इसलिए कि उसने ख़ुदावन्द की बात न मानी, और इसलिए भी कि उससे मशविरा किया जिसका यार जिन्न था, ताकि उसके ज़रि'ए से दरियाफ़्त करे|14और उसने ख़ुदावन्द से दरियाफ़्त न किया| इसलिए उसने उसको मार डाला और हुकूमत यस्सी के बेटे दाऊद की तरफ़ बदल दी|

Chapter 11

1तब सब इस्राईली हबरून में दाऊद के पास जमा' होकर कहने लगे, देख हम तेरी ही हड्डी और तेरा ही गोश्त हैं|2और गुज़रे ज़माने में उस वक़्त भी जब साऊल बादशाह था, तू ही ले जाने और ले आने में इस्राईलियों का रहबर था; और ख़ुदावन्द तेरे ख़ुदा ने तुझे फ़रमाया, 'तू मेरी क़ौम इस्राईल की गल्लेबानी करेगा, और तू ही मेरी क़ौम इस्राईल का सरदार होगा|"3ग़रज़ इस्राईल के सब बुज़ुर्ग हबरून में बादशाह के पास आये, और दाऊद ने हबरून में उनके साथ ख़ुदावन्द के सामने ~'अहद किया; और उन्होंने ख़ुदावन्द के कलाम के मुताबिक़ जो समूएल की ज़रिए' फ़रमाया था, दाऊद को मम्सूह किया ताकि इस्राईलियों का बादशाह हो|4और दाऊद और तमाम इस्राईली यरुशलीम को गए (यबूस यही है), और उस मुल्क के बाशिंदे यबूसी वहाँ थे|5और यबूस के बाशिंदों ने दाऊद से कहा कि तू यहाँ आने न पाएगा तोभी दाऊद ने सिय्यून का क़िला' ले लिया, यही दाऊद का शहर है|6और दाऊद ने कहा, जो कोई पहले यबूसियों को मारे वह सरदार और सिपहसालार होगा|" और योआब बिन ज़रुयाह पहले चढ़ गया और सरदार बना|7और दाऊद क़िले' में रहने लगा, इसलिए उन्होंने उसका नाम दाऊद का शहर रख्खा|8और उसने शहर को चारों तरफ़ या'नी मिल्लो से लेकर चारों तरफ़ बनाया और योआब ने बाक़ी शहर की मरम्मत की|9और दाऊद तरक़्क़ी पर तरक़्क़ी करता गया, क्यूँकि रब्ब-उल-अफ़वाज़ उसके साथ था|10और दाऊद के सूर्माओं के सरदार यह हैं, जिन्होंने उसकी हुकूमत में सारे इस्राईल के साथ उसे मज़बूती दी ताकि जैसा ख़ुदावन्द ने इस्राईल के हक़ में कहा था उसे बादशाह बनाएँ|11दाऊद के सूर्माओं का शुमार यह है: यसुबि'आम बिन हकमूनी जो तीसों का सरदार था| उने तीन सौ पर अपना भाला चलाया और ~उनको एक ही वक़्त में क़त्ल किया|12उसके बा'द अख़ूहीदोदो का बेटा इली'अज़र था जो उन तीनों सूर्माओं में से एक था|13वह दाऊद के साथ फ़सदम्मीम में था जहाँ फ़िलिस्ती जंग करने को जमा' हुए थे|वहाँ ज़मीन का टुकड़ा जौ से भरा हुआ था, और लोग फ़िलिस्तियों के आगे से भागे|14तब उन्होंने उस ज़मीन क्व टुकड़े के बीच में खड़े हो कर उसे बचाया और फ़िलिस्तियों को क़त्ल किया और ख़ुदावन्द ने बड़ी फ़तह देकर उनको रिहा बख़्शी|15और उन तीसों सरदारों में से तीन, दाऊद के साथ थे उस चट्टान पर या'नी अदुल्लाम के मुग़ारे में उतर गए, और फ़िलिस्तियों की फ़ौज रिफ़ाईम की वादी में ख़ेमाज़न थी|16और दाऊद उस वक़्त गढ़ी में था और फ़िलिस्तियों की चौकी उस वक़्त बैतलहम में थी|17और दाऊद ने तरस कर कहा, ऐ काश कोई बैतलहम के उस कुँए का पानी जो फाटक के क़रीब है, मुझे पीने को देता!"18तब वह तीनों फ़िलिस्तियों की सफ़ तोड़ कर निकल गए और बैतलहम के उस कुँए में से जो फाटक के क़रीब है पानी भर लिया और उसे दाऊद के पास लाये लेकिन दाऊद ने न चाहा कि उसे पिए बल्कि उसे ख़ुदावन्द के लिए तपाया|19और कहने लगा कि ख़ुदा न करे कि मैं ऐसा करूँ| क्या मैं इन लोगों का ख़ून पियूँ जो अपनी जानों पर खेले ~हैं? क्यूँकि वह जानबाज़ी कर के उसको लाये हैं| तब ~उसने न पिया| वह तीनों सूर्मा ऐसे ऐसे काम करते थे|20और योआब का भाई अबीशै तीनों का सरदार था| उसने तीन सौ पर भाला चलाया और उनको मार डाला|वह इन तीनों में मशहूर था|21यह तीनों में ~उन दोनों से ज़्यादा ख़ास था और उनका सरदार बना, लेकिन उन पहले तीनों के दर्जे को न पहुँचा|22और बिनायाह बिन यहूयदा' एक क़बज़िएली सूर्मा था जिसने बड़ी बहादुरी के काम किये थे; उसने मोआब के अरिएल के दोनों बेटों को क़त्ल किया, और जाकर बर्फ़ के मौसम में एक गढ़े के बीच एक शेर को मारा|23और उसने पाँच हाथ के एक क़दआवर मिस्री को क़त्ल किया हालाँकि उस मिस्री के हाथ में जुलाहे के शहतीर के बराबर एक भाला था, लेकिन वह एक लाठी लिए हुए उसके पास गया और भाले को उस मिस्री के हाथ से छीन कर उसी के भाले से उसको क़त्ल किया|24यहुयदा के बेटे बिनायाह ने ऐसे ऐसे काम किये और वह उन तीनों सूर्माओं में नामी था|25वह उन तीसों से मु'अज़्ज़िज़ था, लेकिन पहले तीनों के दर्जे को न पहुँचा| और दाऊद ने उसे मुहाफ़िज़ सिपाहियों का सरदार बनाया|26और लश्करों में सूर्मा यह थे: योआब का भाई 'असाहेल और बैतलहमी दोदो का बेटा इलहनान,27और सम्मोत हरूरी, ख़लिसफ़लूनी,28तक़ू'अ, 'इक़्क़ीस, का बेटा 'ईरा, अबी'अज़र 'अन्तोती,29सिब्बकी हुसाती, 'एली अख़ूही,30महरी नतूफ़ाती, हलिद बिन बा'ना नतूफ़ाती,31बनी बिनयमीन के जिब'आ के रीबी का बेटा इत्ती, बिनायाह फ़िर'आतोनी,32जा'स की नदियों का बाशिंदा हूरी, अबिएल 'अरबाती,33'अज़मावत बहरूमी, इल्याहबा सा'लबूनी,34बनी हशीम जिज़ूनी, हरारी शजी का बेटा यूनतन,35और हरारी सक्कार का बेटा अख़ीआम, इलिफ़ाल बिन ऊर,36हिफ़्र मकीराती, अख़ियाह फ़लूनी,37हसरू कर्मिली, नग़री बिन अज़बी,38नातन कला भाई यूएल, मिबख़ार बिन हाजिरी,39सिलक़ 'अम्मूनी, नहरी बैरोती जो योहाब बिन ज़रूयाह का सिलाहबरदार था,40'ईरा ईत्री, जरीब ईत्री,41ऊरियाह हित्ती, ज़बद बिन अख़ली,42सीज़ा रुबीनी का बेटा 'अदीना रूबीनियों का एक सरदार जिसके साथ तीस जवान थे,43हनान बिन मा'का, यूसफ़त मितनी,44'उज़्ज़ियाह 'इस्ताराती, ख़ूताम 'अरो'ईरी के बेटे समा'अ और य'ईएल,45यदी'एलबिन सिमरी और उसका भाई यूख़ा तीसी,46इलीएल महावी, और इलाना'म के बेटे यरीबी और यूसावियाह, और यितमा मोआबी,47इली'एल, और 'ओबेद, और या'सीएल मज़ूबाई|

Chapter 12

1यह वह हैं जो सिक़लाज में दाऊद के पास आये जब कि वह हनूज़ क़ीस के बेटे साऊल की वजह से छिपा रहता था, और उन सूर्माओं में थे जो लड़ाई में उसके मददगार थे|2उनके पास कमाने थीं, और वह गु़फान से पत्थर मारते और कमान से तीर चलाते वक़्त दहने और बाएं दोनों हाथों को काम में ला सकते थे और साऊल के बिनयमीनी भाइयों में से थे|3अख़ी'अज़र सरदार था| फिर यूआस बनी समा'आ जिब'आती और यज़ीएल और फ़लत जो अज़मावत के बेटे थे और बराक और याहू 'अन्तोती,4और इसमा'ईया जिबा'ऊनी जो तीसों में सूर्मा और तीसों का सरदार था; और यरमियाह और यहज़ीएल और युहनान और यूज़बा'द जदीराती,5इल'ओज़ी और यरीमोत और बा'लियाह और समरियाह और सफ़तियाह ख़रूफ़ी,6इलक़ाना और यसियाह और 'अज़रिएल और यू'अज़र और यसूबि'आम जो क़ुरही थे|7और यू'ईला और ज़बदियाह जो यरोहाम जदूरी के बेटे थे|8और जद्दियों में से बहुत से अलग होकर बियाबान के क़िले में दाऊद के पास आ गए; वह ताक़तवर सूर्मा और जंग में माहिर ~लोग थे, जो ढाल और बर्छी का इस्ते'माल जानते थे| उनकी सूरतें ऐसीं थीं जैसी शेरों की सूरतें और वह पहाड़ों पर हिरनियों की तरह तेज़ दौड़ते थे:9अव्वल 'अज़र था, 'अबदियाह दूसरा, इलीयाब तीसरा,10मिसमन्ना चौथा, यरमियाह पाँचवाँ,11'अत्ती छठा, इलीएल सातवाँ,12यूहनान आठवाँ, इलज़बा'द नवाँ,13यरमियाह दसवाँ, मकबानी ग्यारहवाँ|14यह बनी जद में सरलश्कर थे| इनमें सबसे छोटा सौ के बराबर और सबसे बड़ा हज़ार के बराबर था|15यह वह हैं जो पहले महीने में यरदन के पार गए जब उसके सब किनारे डूबे हुए थे और उन्होंने वादियों के सब लोगों को पूरब और पश्चिम की तरफ़ भगा दिया|16बनी बिनयमीन और याहूदाह में से कुछ लोग क़िले' में दाऊद के पास आये|17तब दाऊद उनके इस्तक़बाल को निकला और उनसे कहने लगा, अगर तुम नेक नियती से मेरी मदद के लिए मेरे पास आये हो तो मेरा दिल तुमसे मिला रहेगा लेकिन अगर मुझे मेरे दुश्मनों के हाथ में पकड़वाने आये हो हालाँकि मेरा हाथ ज़ुल्म से पाक है तो हमारे बाप दादा का ख़ुदा यह देखे और मलामत करे|"18तब रूह 'अमासी पर नाज़िल हुई और जो उन तीसों का सरदार था और वह कहने लगा, हम तेरे हैं, ऐ दाऊद! और हम तेरी तरफ़ हैं, ऐ यस्सी के बेटे! सलामती तेरी सलामती, और तेरे मददगारों की सलामती हो, क्यूँकि तेरा ख़ुदा तेरी मदद करता है|"तब दाऊद ने उनको क़ुबूल किया और उनको फ़ौज का सरदार बनाया|19और मनस्सी में से कुछ लोग दाऊद से मिल गए जब वह साऊल के मुक़ाबिल जंग के लिए फ़िलिस्तियों के साथ निकला, लेकिन उन्होंने उनकी मदद न की क्यूँकि फ़िलिस्तियों के हाकिमों ने सलाह कर के उसे लौटा दिया और कहने लगे कि वह हमारे सिर काटकर अपने आक़ा साऊल से जा मिलेगा|20जब वह सिक़लाज को जा रहा था मनस्सी में से 'अदना और यूज़बा'द और यदी'एल और मीकाएल और यूज़बा'द और इलीहू और ज़िलती जो बनी मनस्सी में हज़ारों के सरदार थे उससे मिल गए|21उन्होंने ग़ारतगरों के जत्थे के मुक़ाबिले में दाऊद की मदद की क्यूँकि वह सब ताक़तवर सूर्मा और लश्कर के सरदार थे|22बल्कि रोज़-ब-रोज़ लोग दाऊद के पास उसकी मदद को आते गए, यहाँ तक कि ख़ुदा की फ़ौज की तरह एक बड़ी फ़ौज तैयार हो गयी|23और जो लोग जंग के लिए हथियार बाँध कर हबरून में दाऊद के पास आये ताकि ख़ुदावन्द की बात के मुताबिक़ साऊल की ममलुकत को उसकी तरफ़ बदल दें, उनका शुमार यह है|24बनी यहूदाह छ: हज़ार आठ सौ, जो ढाल और नेज़ा लिए हुए जंग के लिए तैयार थे|25बनी शमा'ऊन में से जंग के ले लिए सात हज़ार एक सौ ताक़तवर सूर्मा'26बनी लावी में से चार हज़ार छ: सौ|27और यहूयदा' हारूनियों का सरदार था और उसके साथ तीन हज़ार सात सौ थे|28और सदोक़, एल जवान सूर्मा और उसके आबाई घराने के बाइस सरदार|29और साऊल के भाई बनी बिनयमीन में से तीन हज़ार लेकिन उस वक़्त तक उनका बहुत बड़ा हिस्सा साऊल के घराने का तरफ़दार था|30और बनी इफ़्राईम में से बीस हज़ार आठ सौ ताक़तवर सूर्मा जो अपने आबाई ख़ानदानों में नामी आदमी थे|31और मनस्सी के आधे क़बीले से अठारह हज़ार, जिनके नाम बताये गए थे कि अगर दाऊद को बादशाह बनायें|32और बनी इश्कार में से ऐसे लोग जो ज़माने को समझते और जानते थे कि इस्राईल को क्या करना मुनासिब है उनके सरदार दो सौ थे और उनके सब भाई उनके हुक्म में थे|33और जबूलून में से ऐसे लोग मैदान में जाने और हर क़िस्म की जंगी हथियार के साथ मैदान ए जंग ~के क़ाबिल थे, पचास हज़ार| यह सफ़आराई करना जानते थे और दो दिले न थे|34और नफ़्ताली में से एक हज़ार सरदार और उनके साथ सैंतीस हज़ार ढालें और भाले लिए हुए|35और दानियों में से अट्ठाईस हज़ार छ: सौ मैदान ए जंग ~करने वाले|36और आशर में से चालीस हज़ार जो मैदान में जाने और मा'रका आराई के क़ाबिल थे|37और यरदन के पार के रुबीनियों और जद्दियों और मनस्सी के आधे क़बीले में से एक लाख बीस हज़ार जिनके साथ लड़ाई के लिए हर क़िस्म के जंगी हथियार थे|38यह सब जंगी मर्द जो मैदान ए जंग ~कर सकते थे ख़ुलूस-ए-दिल से हबरून को आये ताकि दाऊद को सारे इस्राईल का बादशाह बनायें और बाक़ी सब इस्राईली भी दाऊद को बादशाह बनाने पर रज़ामंद थे|39और वह वहाँ दाऊद के साथ तीन दिन तक ठहरे और खाते पीते रहे, क्यूँकि उनके भाइयों ने उनके लिए तैयारी की थी|40इसकेअलावा इनके जो उनके क़रीब के थे बल्कि इश्कार और जबलून और नफ़्ताली तक के लोग गधों और ऊँटों और ख़च्चरों और बैलों पर रोटियाँ और मैदे की बनी हुई खाने की चीज़ें और अंजीर की टिकियाँ| और किशमिश के गुच्छे और शराब और तेल लादे हुए और बैल और भेड़ बकरियाँ इफ़रात से लाये इसलिए कि इस्राईल में ख़ुशी थी|

Chapter 13

1और दाऊद उन सरदारों से जो हज़ार हज़ार और सौ सौ पर थे या'नी हर एक लश्कर के शख़्स से सलाह ली|2और दाऊद ने इस्राईल की सारी जमा'अत से कहा कि मर्ज़ी हो तो आओ हम हर जगह इस्राईल के सारे मुल्क में अपने बाक़ी भाइयों को जिनके साथ काहिन और लावी भी अपने नवाहीदार शहरों में रहते हैं, कहला भेजें ताकि वह हमारे पास जमा' हों,3और हम अपने ख़ुदा के सन्दूक़ फिर अपने पास ले आयें क्यूँकि हम साऊल के दिनों में उसके तालिब न हुए|4तब सारी जमा'अत बोल उठे कि हम ऐसा ही करेंगे क्यूँकि यह बात सब लोगों की निगाह में ठीक थी|5तब दाऊद ने मिस्र की नदी सीहूर से हमात के मदख़ल तक के सारे इस्राईल को जमा' किया, ताकि ख़ुदा का सन्दूक़ को क़रयत या'रीम से ले आयें|6और दाऊद और सारा इस्राईल बा'ला को या'नी क़रयतया'रीम को जो यहूदाह में है गए, ताकि ख़ुदा के सन्दूक़ को वहाँ ले आयें, जो क़रूबियों पर बैठने वाला ख़ुदावन्द है और इस नाम से पुकारा जाता है|7और वह ख़ुदा के सन्दूक़ को एक नयी पर गाड़ी रख कर अबीनदाब के घर से बाहर निकाल लाये, और 'उज़्ज़ा और अख़ियू गाड़ी को हाँक रहे थे|8और दाऊद और सारा इस्राईल, ख़ुदा के आगे बड़े ज़ोर सेहम्द करते और बरबत और सितार और दफ़ और झांझ और तुरही बजाते चले आते थे|9और जब वह कीदून के खलिहान पर पहुँचे, तो 'उज़्ज़ा ने सन्दूक़ के थामने को अपना बढ़ाया, क्यूँकि बैलों ने ठोकर खायी थी|10तब ख़ुदावन्द का क़हर 'उज़्ज़ा पर भड़का और उसने उसको मार डाला इसलिए कि उसने अपना हाथ सन्दूक़ पर बढ़ाया था और वह वहीँ ख़ुदा के सामने मर गया|11तब दाऊद उदास हुआ, इसलिए कि ख़ुदा 'उज़्ज़ा पर टूट पड़ा और उसने उस मुक़ाम का नाम परज़ 'उज़्ज़ा रख्खा जो आज तक है|12और दाऊद उस दिन ख़ुदा से डर गया और कहने लगा कि मैं ख़ुदा के सन्दूक़ को अपने यहाँ क्यूँ कर लाऊँ ?13इसलिए दाऊद सन्दूक़ को अपने यहाँ दाऊद के शहर में न लाया बल्कि उसे बाहर ही जाती 'ओबेदअदोम के घर में ले गया14तब ख़ुदा का सन्दूक़ 'ओबेदअदोम के घराने के साथ उसके घर में तीन महीने तक रहा, और ख़ुदावन्द ने 'ओबेदअदोम और उसकी सब चीज़ों को बरकत दी|

Chapter 14

1और सूर के बादशाह हीराम ने दाऊद के क़ासिद और उसके लिए महल बनाने के लिए देवदार के लट्ठे और राजगीर और बढ़ई भेजे|2और दाऊद जान गया कि ख़ुदावन्द ने उसे बनी-इस्राईल का बादशाह बना कर क़ायम कर दिया है, क्यूँकि उसकी हुकूमत उसके इस्राईली लोगों की ख़ातिर मुम्ताज़ की गई थी|3और दाऊद ने यरुशलीम में और 'औरतें ब्याह लीं, और उससे और बेटे बेटियाँ पैदा हुए|4और उसके उन बच्चों के नाम जो यरुशलीम में पैदा हुए यह हैं: सम्मू'अ और सोबाब और नातन और सुलेमान,5और इब्हार और इलिसू'अ और इलफ़ालत,6और नौजा और नफ़ज और यफ़ी'आ,7और इलिसमा' और और बा'लयद'अ और इलीफ़ालत|8और जब फ़िलिस्तियों ने सुना कि दाऊद मम्सूह होकर सारे इस्राईल का बादशाह बना है तो सब फ़िलिस्ती दाऊद की तलाश में चढ़ आये और दाऊद यह सुनकर उनके मुक़ाबिले को निकला|9और फ़िलिस्तियों ने आकर रिफ़ाईम की वादी में धावा मारा|10तब दाऊद ने ख़ुदा से सवाल किया, क्या मैं फ़िलिस्तियों पर चढ़ जाऊँ? क्या तू उनको मेरे हाथ में कर देगा?" ख़ुदावन्द ने उसे फ़रमाया, चढ़ जा क्यूँकि मैं उनको तेरे हाथ में कर दूँगा|"11तब वह बा'ल पराज़ीम में आये और दाऊद ने वहीं उनको मारा और दाऊद ने कहा, ख़ुदा ने मेरे हाथ से दुश्मनों को ऐसा चीरा, जैसे पानी चाक चाक हो जाता है|" इस वजह से उन्होंने उस मक़ाम का नाम बा'ल पराज़ीम रख्खा|12और वह अपने बुतों को वहाँ छोड़ गए, और वह दाऊद के हुक्म से आग में जला दिए गए|13और फ़िलिस्तियों ने फिर उस वादी में धावा मारा|14और दाऊद ने फिर ख़ुदा से सवाल किया, और ख़ुदा ने उससे कहा, तू उनका पीछा न कर, बल्कि उनके पास से कतरा कर निकल जा, और तूत के पेड़ों के सामने से उन पर हमला कर|15और जब तू तूत के दरख़्तों की फुन्गियों पर चलने की जैसी आवाज़ सुने, तब लड़ाई को निकलना क्यूँकि ख़ुदा तेरे आगे आगे फ़िलिस्तियों के लश्कर को मारने के लिए निकला है|"16और दाऊद ने जैसा ख़ुदा ने उसे फ़रमाया था किया और उन्होंने फ़िलिस्तियों की फ़ौज को जिबा'ऊन से जज़र तक क़त्ल किया|17और दाऊद की शोहरत सब मुल्कों में फ़ैल गई, और ख़ुदावन्द ने सब क़ौमों पर उसका ख़ौफ़ बिठा दिया|

Chapter 15

1और दाऊद ने दाऊद के शहर में अपने लिए महल बनाए, और ख़ुदा के सन्दूक़ के लिए एक जगह तैयार करके उसके लिए एक ख़ैमा खड़ा किया।2तब दाऊद ने कहा कि लावियों के 'अलावा और किसी को ख़ुदा के सन्दूक़ को उठाना नहीं चाहिए, क्यूँकि ख़ुदावन्द ने उन्हीं को चुना है कि ख़ुदा सन्दूक़ को उठाएँ और हमेशा उसकी ख़िदमत करें।3और दाऊद ने सारे इस्राईल को यरूशलीम में जमा' किया, ताकि ख़ुदावन्द के सन्दूक़ को उस जगह जो उसने उसके लिए तैयार की थी ले आएँ।4और दाऊद ने बनी हारून को और लावियों को इकट्ठा किया:5या'नी बनी क़िहात में से, ऊरीएल सरदार और उसके एक सौ बीस भाइयों को;6बनी मिरारी में से, 'असायाह सरदार और उसके दो सौ बीस भाइयों को;7बनी जैरसोम में से, यूएल सरदार और उसके एक सौ तीस भाइयों को;8बनी इलीसफ़न में से, समायाह सरदार और उसके दो सौ भाइयों को;9बनी हबरून में से, इलीएल सरदार और उसके अस्सी भाइयों को;10बनी उज़्ज़ीएल में से, 'अम्मीनदाब सरदार और उसके एक सौ बारह भाइयों को।11और दाऊद ने सदोक़ और अबियातर काहिनों की, और ऊरिएल और 'असायाह और यूएल और समायाह और इलीएल और 'अम्मीनदाब लावियों को बुलाया,12और उनसे कहा कि तुम लावियों के आबाई ख़ान्दानों के सरदार हो; तुम अपने आपको पाक करो, तुम भी और तुम्हारे भाई भी, ताकि तुम ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा के सन्दूक़ को उस जगह जो मैंने उसके लिए तैयार की है ला सको।13क्यूँकि जब तुम ने पहली बार उसे न उठाया, तो ख़ुदावन्द हमारा ख़ुदा हम पर टूट पड़ा, क्यूँकि हम क़ानून के मुताबिक़ उसके तालिब नहीं हुए थे।14तब काहिनों और लावियों ने ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा के सन्दूक़ को लाने के लिए अपने आपको पाक किया।15और बनी लावी ने ख़ुदा के सन्दूक़ को, जैसा मूसा ने ख़ुदावन्द के कलाम के मुवाफ़िक हुक्म किया था, कड़ियों से अपने कन्धों पर उठा लिया।16और दाऊद ने लावियों के सरदारों को फ़रमाया कि अपने भाइयों में से हम्द करने वालों को मुक़र्रर करें कि मूसीक़ी के साज़, या'नी सितार और बरबत और झाँझ बजाएं और आवाज़ बुलन्द करके ख़ुशी से गाएँ।17~तब लावियों ने हैमान बिन यूएल को मुक़र्रर किया, और उसके भाइयों में से आसफ़ बिन बरकियाह को, और उनके भाइयों बनी मिरारी में से ऐतान बिन कौसियाह को;18और उनके साथ उनके दूसरे दर्जे के भाइयों या'नी ज़करियाह, बीन और या'ज़िएल और सिमीरामोत और यहिएल और उन्नी और इलियाब और बिनायाह और मासियाह और मतितियाह और इलीफ़लहू और मिक़िनियाह और 'ओबेदअदोम और य'ईएल को जो दरबान थे।19~ फिर हम्द करने वाले हैमान, आसफ़ और ऐतान मुक़र्रर हुए कि पीतल की झाँझों को ज़ोर से बजाएँ;20और ज़करियाह और 'अज़ीएल और सिमीरामीत और यहीएल और उन्नी और इलियाब और मा'सियाह और बिनायाह सितार को 'अलामीत राग पर छेड़े;21और मतितियाह और इलिफ़लहू और मिक़िनियाह और 'ओबेदअदोम और य'ईएल और 'अज़ज़ियाह शमीनीत राग पर सितार बजाएँ।22और कनानियाह, लावियों का सरदार, हम्द गाने पर मुक़र्रर था; वहहम्द सिखाता था, क्यूँकि वह बड़ा ही माहिर था।23और बरकियाह और इल्क़ाना सन्दूक़ के दरबान थे,24और शबनियाह और यहूसफ़त और नतनिएल और 'अमासी और ज़करियाह और बिनायाह और इली'अज़र काहिन ख़ुदा के सन्दूक़ के आगे आगे नरसिंगे फूँकते जाते थे, और 'आोबेदअदोम और यहियाह सन्दूक़ के दरबान थे।25~तब दाऊद और इस्राईल के बुज़ुर्ग और हज़ारों के सरदार रवाना हुए कि ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक़ को 'ओबेदअदोम के घर से ख़ुशी मनाते हुए लाएँ।26और ऐसा हुआ कि जब ख़ुदा ने उन लावियों की, जो ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक को उठाए हुए थे मदद की, तो उन्होने सात बैल और सात मेंढे क़ुर्बान किए।27और दाऊद और सब लावी जो सन्दूक़ को उठाये हए थे, और हम्द करने वाले और हम्द करने वालों के साथ कनानियाह जो हम्द करने ~में उस्ताद था कतानी लिबासों से मुलब्बस थे, और दाऊद कतान का अफ़ूद भी पहने था।28यूँ सब इस्राईली नारा मारते और नरसिंगों और तुरहियों और झाँझों की आवाज़ के साथ सिरतार और बरबत कों ज़ोर से बजाते हुए, ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक़ को लाए।29और ऐसा हुआ कि जब ख़ुदावन्द का 'अहद का सन्दूक़ दाऊद के शहर में पहुँचा, तो साऊल की बेटी मीकल ने खिड़की में से झाँक कर दाऊद बादशाह को ख़ूब नाचते-कूदते देखा, और उसने अपने दिल में उसको हक़ीर जाना।

Chapter 16

1~तब वह ख़दा के सन्दूक़ को ले आए और उसे उस ख़ेमा के बीच में जो दाऊद ने उसके लिए खड़ा किया था रखा, और सोख़्तनी क़ुर्बानियाँ और सलामती की क़ुर्बानियाँ ख़ुदा के सामने पेश कीं।2जब दाऊद सोख़्तनी क़ुर्बानी और सलामती की क़ुर्बानियाँ पेश कर चुका तो उसने ख़ुदावन्द के नाम से लोगों को बरकत दी।3और उसने सब इस्राइली लोगों को, क्या आदमी क्या 'औरत, एक एक रोटी और एक एक टुकड़ा गोश्त और किशमिश की एक एक टिकिया दी।4और उसने लावियों में से कुछ को मुक़र्रर किया कि ख़ुदावन्द के सन्दूक़ के आगे ख़िदमत करें, और ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा का ज़िक्र और शुक्र और उसकी हम्द करें।5अव्वल आसफ़ और उसके बा'द ज़करियाह और य'ईएल और सिमीरामोत और यहीएल और मतितियाह और इलियाब और बिनायाह और 'आोबेदअदोम और य'ईएल, सितार और बरबत के साथ, और आसफ़ झाँझों को ज़ोर से बजाता हुआ;6और बिनायाह और यहज़िएल काहिन हमेशा तुरहियों के साथ ख़ुदा के 'अहद के सन्दूक़ के आगे रहा करें।7पहले उसी दिन दाऊद ने यह ठहराया कि ख़ुदावन्द का शुक्र आसफ़ और उसके भाई बजा लाया करें।8ख़ुदावन्द की शुक्रगुज़ारी करो। उससे दु'आ करो; क़ौमों के बीच उसके कामों का इश्तिहार दो।9उसके सामने हम्द करो, उसकी बड़ाई करो, उसके सब 'अजीब कामों का ज़िक्र करो।10उसके पाक नाम पर फ़ख़्र करो; जो ख़ुदावन्द के तालिब हैं, उनका दिल खु़श रहे।11तुम ख़ुदावन्द और उसकी ताक़त के तालिब हो; तुम हमेश उसके दीदार के तालिब रहो।12तुम उसके 'अजीब कामों को जो उसने किए, और उसके मो'जिज़ों और मुँह के क़ानून को याद रखो13ऐ उसके बन्दे इस्राईल की नसल, ऐ बनी या'क़ूब, जो उसके चुने हुए हो।14वह ख़ुदावन्द हमारा ख़ुदा है, तमाम रू-ए-ज़मीन पर उसके क़ानून हैं।15~हमेशा उसके 'अहद को याद रखो, और हज़ार नसलों तक उसके कलाम को जो उसने फ़रमाया।16उसी 'अहद को जो उसने इब्राहीम से बाँधा, और उस क़सम को जो उसने इस्हाक़ से खाई,17जिसे उसने या'क़ूब के लिए क़ानून के तौर पर और इस्राईल के लिए हमेशा 'अहद के तौर पर क़ायम किया,18यह कहकर, मैं कन'आन का मुल्क तुझको दूँगा, वह तुम्हारा मौरुसी हिस्सा होगा|"19उस वक़्त तुम शुमार में थोड़े थे बल्कि बहुत ही थोड़े और मुल्क में परदेसी थे।20वह एक क़ौम से दूसरी दूसरी क़ौम में और एक मुल्क से दूसरी मुल्क में फिरते रहे।21उसने किसी शख़्स को उनपर ज़ुल्म करने न दिया; बल्कि उनकी ख़ातिर बादशाहों को तम्बीह की,22कि तुम मेरे मम्सूहों को न छुओ और मेरे नबियों को न सताओ|23ऐ सब अहल-ए ज़मीन, ख़ुदावन्द के सामने हम्द करो। रोज़-ब-रोज़ उसकी नजात की बशारत दो।24क़ौमों में उसके जलाल का, सब लोगों में उसके 'अजाइब का बयान करो।25क्यूँकि ख़ुदावन्द बूज़ुर्ग और बहुत ही ता'रीफ़ ~के लायक़ है, वह सब मा'बूदों से ज़्यादा बड़ा है।26इसलिए कि और क़ौमों के सब मा'बूद महज़ बुत हैं; लेकिन ख़ुदावन्द ने आसमानों को बनाया।27'अज़मत और जलाल उसके सामने में हैं, और उसके यहाँ क़ुदरत और शादमानी हैं।28ऐ क़ौमों के क़बीलो! ख़ुदावन्द की, ख़ुदावन्द ही की तम्जीद-ओ-ताज़ीम करो।29ख़ुदावन्द की ऐसी बड़ाई करो जो उसके नाम के शायाँ है। हदिया लाओ, और उसके सामने आओ, पाक आराइश के साथ ख़ुदावन्द को सिज्दा करो।30ऐ सब अहल-ए-ज़मीन! उसके सामने काँपते रहो। जहान क़ायम है, और उसे हिलता नहीं।31आसमान ख़ुशी मनाए और ज़मीन ख़ुश हो, वह क़ौमों में ऐलान करें कि ख़ुदावन्द हुकूमत करता है।32समन्दर और उसकी मामूरी शोर मचाए, मैदान और जो कुछ उसमें है बाग़ बाग़ हो।33तब जंगल के दरख़्त ख़ुशी से ख़ुदावन्द के सामने हम्द करने लगेंगे, क्यूँकि वह ज़मीन का इंसाफ़ करने को आ रहा है।34ख़ुदावन्द का शुक्र करो, इसलिए कि वह नेक है; क्यूँकि उसकी शफ़क़त हमेशा है।35तुम कहो, ऐ हमारी नजात के ख़ुदा, हम को बचा ले, और क़ौमों में से हम को जमा' कर और उनसे हम को रिहाई दे, ताकि हम तेरे कुहूस नाम का शुक्र करें, और ललकारते हुए तेरी ता'रीफ़ करें।36ख़ुदादावन्द इस्राईल का ख़ुदा, अज़ल से 'हमेश तक मुबारक हो!" और सब लोग बोल उठे आमीन! उन्होंने ख़ुदावन्द की ता'रीफ़ की।37उसने वहाँ ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक़ के आगे आसफ़ और उसके भाइयों को, हर रोज़ के ज़रूरी काम के मुताबिक़ हमेशा सन्दूक़ के आगे ख़िदमत करने को छोड़ा;38और 'आोबेदअदोम और उसके अड़सठ भाइयों को, और 'ओबेदअदोम बिन यदूतून और हूसाह को ताकि दरबान हों।39और सदूक़ काहिन और उसके काहिन भाइयों को ख़ुदावन्द के घर के आगे, जिबा'ऊन के ऊँचे मक़ाम पर, इसलिए40कि वह ख़ुदावन्द की शरी'अत की सब लिखी हुई बातों के मुताबिक़ जो उसने इस्राईल को फ़रमाई, हर सुबह और शाम सोख़्तनी क़ुर्बानी के मज़बह पर ख़ुदावन्द के लिए सोख़्तनी क़ुर्बानियाँ पेश कीं।41उनके साथ हैमान और यदूतून और बाक़ी चुने हुए आदमियों को जो नाम-ब-नाम मज़कूर हुए थे, ताकि ख़ुदावन्द का शुक्र करें क्यूँकि उसकी शफ़क़त हमेशा है।42उन ही के साथ हैमान और यदूतून थे, जो बजाने वालों के लिए तुरहियाँ और झाँझें और ख़ुदा के हम्द ~के लिए बाजे लिए हुए थे, और बनी यदूतून दरबान थे।43तब सब लोग अपने अपने घर गए, और दाऊद लौटा कि अपने घराने को बरकत दे।

Chapter 17

1जब दाऊद अपने महल में रहने लगा, तो उसने नातन नबी से कहा, मैं तो देवदार के महल में रहता हूँ, लेकिन ख़ुदावन्द के 'अहद का सन्दूक़ ख़ेमे में है।2नातन ने दाऊद से कहा, जो कुछ तेरे दिल में है वह कर, क्यूँकि ख़ुदा तेरे साथ है।3और उसी रात ऐसा हुआ कि ख़ुदा का कलाम नातन पर नाज़िल हुआ कि,4जाकर मेरे बन्दे दाऊद से कह कि ख़ुदावन्द यूँ फ़रमाता है कि तू मेरे रहने के लिए घर न बनाना।5क्यूँकि जब से मैं बनी-इस्राईल को निकाल लाया, आज के दिन तक मैंने किसी घर में सुकूनत नहीं की; बल्कि ख़ेमा-ब-ख़ेमा और मस्कन-ब-मस्कन फिरता रहा हूँ6उन जगहों में जहाँ जहाँ मैं सारे इस्राईल के साथ फिरता रहा, क्या मैंने इस्राईली क़ाज़ियों में से जिनको मैंने हुक्म किया था कि मेरे लोगों की गल्लेबानी करें, किसी से एक हर्फ़ भी कहा कि तुम ने मेरे लिए देवदार का घर क्यूँ नहीं बनाया?7~तब तू मेरे बन्दे दाऊद से यूँ कहना कि रब्ब-उल-अफ़वाज यूँ फ़रमाता है कि मैंने तुझे भेड़साले में से जब तू भेड़-बकरियों के पीछे पीछे चलता था लिया, ताकि तू मेरी क़ौम इस्राईल का रहनुमा हो;8और जहाँ कहीं तू गया मैं तेरे साथ रहा, और तेरे सब दुश्मनों को तेरे सामने से काट डाला है, और मैं रूए-ज़मीन के बड़े बड़े आदमियों के नाम की तरह ~तेरा नाम कर दूँगा।9और मैं अपनी क़ौम इस्राईल के लिए एक जगह ठहराऊँगा, और उनको क़ायम कर दूँगा ताकि अपनी जगह बसे रहें और फिर हटाए न जाएँ, और न शरारत के फ़र्ज़न्द फिर उनको दुख देने पाएँगे जैसा शुरू' में हुआ।10और उस वक़्त भी जब मैंने हुक्म दिया कि मेरी क़ौम इस्राईल पर क़ाज़ी मुकर्रर हों, और मैं तेरे सब दुश्मनों को मग़लूब करूँगा। इसके 'अलावा मैं तुझे बताता हूँ कि ख़ुदावन्द तेरे लिए एक घर बनाएगा।11जब तेरे दिन पूरे हो जाएँगे ताकि तू अपने बाप-दादा के साथ मिल जाने को चला जाए, तो मैं तेरे बा'द तेरी नसल को तेरे बेटों में से खड़ा करूँगा, और उसकी हुकूमत को क़ायम करूँगा।12वह मेरे लिए घर बनाएगा, और मैं उसका तख़्त हमेशा के लिए क़ायम करूँगा।13मैं उसका बाप हूँगा और वह मेरा बेटा होगा; और मैं अपनी शफ़क़त उस पर से नहीं हटाऊँगा, जैसे मैंने उस पर से जो तुझ से पहले था हटा ली,14बल्कि मैं उसको अपने घर में और अपनी ममलुकत में हमेशा तक क़ायम रखूँगा, और उसका तख़्त हमेशा तक साबित रहेगा।15~इसलिए नातन ने इन सब बातों और इस सारे ख़्वाब के मुताबिक़ ऐसा ही दाऊद से कहा ।16तब दाऊद बादशाह अन्दर जाकर ख़ुदावन्द के सामने बैठा, और कहने लगा, ऐ ख़ुदावन्द ख़ुदा! मैं कौन हूँ, और मेरा घराना क्या है कि तू ने मुझ को यहाँ तक पहुँचाया?17और ये, ऐ ख़ुदा, तेरी नज़र में छोटी बात थी, बल्कि तू ने तो अपने बन्दे के घर के हक़ में आइंदा बहुत दिनों का ज़िक्र किया है, और तू ने ऐ ख़ुदावन्द ख़ुदा, मुझे ऐसा माना कि गोया मैं बड़ा मन्ज़िलत वाला आदमी' हूँ।18भला दाऊद तुझ से उस इकराम की निस्बत, जो तेरे ख़ादिम का हुआ और क्या कहे? क्यूँकि तू अपने बन्दे को जानता है।19ऐ ख़ुदावन्द, तू ने अपने बन्दे की ख़ातिर अपनी ही मर्ज़ी से इन बड़े बड़े कामों को ज़ाहिर करने के लिए इतनी बड़ी बात की।20ऐ ख़ुदावन्द, कोई तेरी तरह नहीं और तेरे 'अलावा जिसे हम ने अपने कानों से सुना है और कोई ख़ुदा नहीं।21और रू-ए-ज़मीन पर तेरी क़ौम इस्राईल की तरहऔर कौन सी क़ौम है, जिसे ख़ुदा ने जाकर अपनी उम्मत बनाने को ख़ुद छुड़ाया? ताकि तू अपनी उम्मत के सामने से जिसे तू ने मिस्र से ख़लासी बख़्शी, क़ौमों को दूर करके बड़े और मुहीब कामों से अपना नाम करे।22क्यूँकि तू ने अपनी क़ौम इस्राईल को हमेशा के लिए अपनी क़ौम ठहराया है, और तू ख़ुद ऐ ख़ुदावन्द, उनका ख़ुदा हुआ है।23और अब ऐ ख़ुदावन्द, वह बात जो तू ने अपने बन्दे के हक़ में और उसके घराने के हक में फ़रमाई, हमेशा तक साबित रहे और जैसा तू ने कहा है वैसा ही कर।24और तेरा नाम हमेशा तक क़ायम और बुज़ुर्ग हो ताकि कहा जाए कि रब्ब-उल-अफ़वाज इस्राईल का ख़ुदा है, बल्कि वह इस्राईल ही के लिए ख़ुदा है और तेरे बन्दे दाऊद का घराना तेरे सामने क़ायम रहे।25क्यूँकि तू ने ऐ मेरे ख़ुदा, अपने बन्दा पर ज़ाहिर किया है कि तू उसके लिए एक घर बनाएगा; इसलिए तेरे बन्दे को तेरे सामने दु'आ करने का हौसला हुआ।26और ऐ ख़ुदावन्द तू ही ख़ुदा है, और तू ने अपने बन्दे से इस भलाई का वा'दा किया;27और तुझे पसंद आया कि तू अपने बन्दे के घराने को बरकत बख़्शे, ताकि वह हमेशा तक तेरे सामने क़ायम रहे; क्यूँकि तू ऐ ख़ुदावन्द बरकत दे चुका है, इसलिए वह हमेशा तक मुबारक है|

Chapter 18

1इसके बा'द यूँ हुआ कि दाऊद ने फ़िलिस्तियों को मारा और उनको मग़लूब किया, और जात को उसके क़स्बों समेत फ़िलिस्तियों के हाथ से ले लिया।2उसने मोआब को मारा, और मोआबी दाऊद के फ़रमाँबरदार हो गए और हदिए लाए।3दाऊद ने ज़ोबाह के बादशाह हदर'अज़र को भी, जब वह अपनी हुकूमत दरिया-ए-फु़रात तक क़ायम करने गया, हमात में मार लिया।4और दाऊद ने उससे एक हज़ार रथ और सात हज़ार सवार और बीस हज़ार प्यादे ले लिए, और उसने रथों के सब घोड़ों की नालें कटवा दीं, लेकिन उनमें से एक सौ रथों के लिए घोड़े बचा लिए।5जब दमिश्क़ के अरामी ज़ोबाह के बादशाह हदर'अज़र की मदद करने को आए, तो दाऊद ने अरामियों में से बाइस हज़ार आदमी क़त्ल किए।6तब दाऊद ने दमिश्क़ के अराम में सिपाहियों की चौकियाँ बिठाई, और अरामी दाऊद के फ़रमाँबरदार हो गए और हदिए लाए। और जहाँ कहीं दाऊद जाता ख़ुदावन्द उसे फ़तह बख़्शता था।7और दाऊद हदर'अज़र के नौकरों की सोने की ढालें लेकर उनको यरूशलीम में लाया;8और हदर'अज़र के शहरों, तिबखत और कून से दाऊद बहुत सा पीतल लाया, जिससे सुलेमान ने पीतल का बड़ा हौज़ और खम्भा और पीतल के बर्तन बनाए।9जब हमात के बादशाह तू'ऊ ने सुना के दाऊद ने जू़बाह के बादशाह हदर'अज़र का सारा लश्कर मार लिया,10तो उसने अपने बेटे हदूराम को दाऊद बादशाह के पास भेजा ताकि उसे सलाम करे और मुबारक बा'द दे, इसलिए के उसने जंग करके हदर'अज़र को मारा (क्यूँकि हदर'अज़र तू'ऊ से लड़ा करता था), और हर तरह के सोने और चाँदी और पीतल के बर्तन उसके साथ थे।11इनकी भी दाऊद बादशाह ने उस चाँदी और सोने के साथ, जो उसने और सब क़ौमों या'नी अदूम और मोआब और बनी 'अम्मून और फ़िलिस्तियों और 'अमालीक से लिया था, ख़ुदावन्द को नज़्र किया।12और अबीशै। बिन ज़रूयाह ने वादी-ए-शोर में अठारह हज़ार अदूमियों को मारा।13और उसने अदूम में सिपाहियों की चौकियाँ बिठाई, और सब अदूमी दाऊद के फ़रमाँबरदार हो गए। और जहाँ कहीं दाऊद जाता ख़ुदावन्द उसे फ़तह बख़्शता था।14~तब दाऊद सारे इस्राईल पर हुकूमत करने लगा, और अपनी सारी र'इयत के साथ अद्ल-ओ-इन्साफ़ करता था।15और योआब बिन ज़रूयाह लश्कर का सरदार था, और यहूसफ़त बिन अख़ीलूद मुवर्रिख़था;16और सदूक़ बिन अख़ीतोब और अबीमलिक बिन अबियातर काहिन थे, और शौशा मुन्शी था;17और बिनायाह बिन यहूयदा' करेतियों और फ़लेतियों पर था; और दाऊद के बेटे बादशाह के ख़ास मुसाहिब थे।

Chapter 19

1इसके बा'द ऐसा हुआ कि बनी 'अम्मून का बादशाह नाहस मर गया, और उसका बेटा उसकी जगह हुकूमत करने लगा।2तब दाऊद ने कहा कि मैं नाहस के बेटे हनून के साथ नेकी करूँगा क्यूँकि उसके बाप ने मेरे साथ नेकी की, तब दाऊद ने क़ासिद भेजे ताकि उसके बाप के बारे में उसे तसल्ली दें। इसलिए दाऊद के ख़ादिम बनी अम्मून के मुल्क में हनून के पास आये कि उसे तसल्ली दें।3~लेकिन बनी 'अम्मून के अमीरों ने हनून से कहा, क्या तेरा ख़्याल है कि दाऊद तेरे बाप की 'इज़्ज़त करता है, तो उसने तेरे पास तसल्ली देनेवाले भेजे हैं ? क्या उसके ख़ादिम तेरे मुल्क का हाल दरियाफ़्त करने, और उसे तबाह करने, और राज़ लेने नहीं आए हैं?"4तब हनून ने दाऊद के ख़ादिमों को पकड़ा और उनकी दाढ़ी मूँछें मुंडवाकर, उनकी आधी लिबास उनके सुरीनों तक कटवा डाली, और उनको रवाना कर दिया।5तब कुछ ने जाकर दाऊद को बताया कि उन आदमियों से कैसा सुलूक किया गया। तब उसने उनके इस्तक़बाल को लोग भेजे इसलिए कि वह निहायत शरमाते थे, और बादशाह ने कहा कि जब तक तुम्हारी दाढ़ियाँ न बढ़ जाएँ यरीहू में ठहरे रहो, इसके बा'द लौट आना।6जब बनी 'अम्मून ने देखा कि वह दाऊद के सामने नफ़रतअंगेज़ हो गए हैं, तो हनून और बनी 'अम्मून ने मसोपतामिया और अराम, माका और ज़ोबाह से रथों और सवारों को किराया करने के लिए एक हज़ार क़िन्तार चाँदी भेजी।7~इसलिए उन्होंने बत्तीस हज़ार रथों और मा'का के बादशाह और उसके लोगों को अपने लिए किराया कर लिया, जो आकर मीदबा के सामने ख़ैमाज़न हो गए। और बनी 'अम्मून अपने अपने शहर से जमा' हुए और लड़ने को आए।8जब दाऊद ने यह सुना तो उसने योआब और सूर्माओं के सारे लश्कर को भेजा।9तब बनी 'अम्मून ने निकलकर शहर के फाटक पर लड़ाई के लिए सफ़ बाँधी, और वह बादशाह जो आए थे सो उनसे अलग मैदान में थे।10जब योआब ने देखा कि उसके आगे और पीछे लड़ाई के लिए सफ़ बँधी है, तो उसने सब इस्राईल के ख़ास लोगों में से आदमी चुन लिए और अरामियों के मुक़ाबिल उनकी सफ़ आराई की;11और बाक़ी लोगों को अपने भाई अबीशै के सुपुर्द किया, और उन्होंने बनी 'अम्मून के सामने अपनी सफ़ बाँधी।12और उसने कहा कि अगर अरामी मुझ पर ग़ालिब आएँ, तो तू मेरी मदद करना; और अगर बनी 'अम्मून तुझ पर ग़ालिब आएँ, तो मैं तेरी मदद करूँगा।13इसलिए हिम्मत बाँधो, और आओ हम अपनी क़ौम और अपने ख़ुदा के शहरों की ख़ातिर मर्दानगी करें; और ख़ुदावन्द जो कुछ उसे भला मा'लूम हो करे।14तब योआब अपने लोगों समेत अरामियों से लड़ने को आगे बढ़ा, और वह उसके सामने से भागे।15जब बनी 'अम्मून ने अरामियों को भागते देखा, तो वह भी उसके भाई अबीशै के सामने से भाग कर शहर में घुस गए। तब योआब यरूशलीम को लौट आया।16जब अरामियों ने देखा कि उन्होंने बनी-इस्राईल से शिकस्त खाई, तो उन्होंने क़ासिद भेज कर दरिया-ए-फु़रात के पार के अरामियों को बुलवाया; और हदर'अज़र का सिपहसालार सोफ़क उनका सरदार था।17और इसकी ख़बर दाऊद को मिली तब वह सारे इस्राईल को जमा' करके यरदन के पार गया, और उनके क़रीब पहुँचा और उनके मुक़ाबिल सफ़ बाँधी, फ़िर ~जब दाऊद ने अरामियों के मुक़ाबिले में जंग के लिए सफ़ बाँधी तो वह उससे लड़े।18और अरामी इस्राईल के सामने से भागे, और दाऊद ने अरामियों के सात हज़ार रथों के सवारों और चालीस हज़ार प्यादों को मारा, और लश्कर के सरदार सोफ़क को क़त्ल किया।19जब हदर'अज़र के मुलाज़िमों ने देखा कि वह इस्राईल से हार गए, तो वह दाऊद से सुलह करके उसके फ़रमाँबरदार हो गए; और अरामी बनी 'अम्मून की मदद पर फिर कभी राज़ी न हुए।

Chapter 20

1फिर नए साल के शुरू' में जब बादशाह जंग के लिए निकलते हैं, योआब ने ताक़तवर लश्कर ले जाकर बनी 'अम्मून के मुल्क को उजाड़ डाला और आकर रब्बा को घेर लिया; लेकिन दाऊद यरूशलीम में रह गया था, और योआब ने रब्बा को घेर करके उसे ढा दिया।2और दाऊद ने उनके बादशाह के ताज को उसके सिर पर से उतार लिया, और उसका वज़न एक क़िन्तार सोना पाया, और उसमें बेशक़ीमत जवाहिर जड़े थे; इसलिए वह दाऊद के सिर पर रखा गया, और वह उस शहर में से बहुत सा लूट का माल निकाल लाया।3उसने उन लोगों को जो उसमें थे, बाहर निकाल कर आरों और लोहे के हींगों और कुल्हाड़ों से काटा, और दाऊद ने बनी 'अम्मून के सब शहरों से ऐसा ही किया। तब दाऊद और सब लोग यरूशलीम को लौट आए।4इसके बा'द जज़र में फ़िलिस्तियों से जंग हुई; तब हूसाती सिब्बकी ने सफ़्फ़ी को जो पहलवान के बेटों में से एक था क़त्ल किया, और फ़िलिस्ती मग़लूब हुए।5और फ़िलिस्तियों से फिर जंग हुई; तब य'ऊर के बेटे इलहिनान ने जाती जूलियत के भाई लहमी को, जिसके भाले की छड़ जुलाहे के शहतीर के बराबर थी, मार डाला।6फिर जात में एक और जंग हुई जहाँ एक बड़ा क़दआवर आदमी था जिसके चौबीस उंगलियाँ, या'नी हाथों में छ: छ: और पाँव में छ: छ: थीं, और वह भी उसी पहलवान का बेटा था।7जब उसने इस्राईल की फ़ज़ीहत की तो दाऊद के भाई सिम'आ के बेटे योनतन ने उसको मार डाला।8यह जात में उस पहलवान से पैदा हुए थे, और दाऊद और उसके ख़ादिमों के हाथ से क़त्ल हुए।

Chapter 21

1और शैतान ने इस्राईल के ख़िलाफ़ उठकर दाऊद को उभारा कि इस्राईल का शुमार करें2तब दाऊद ने यूआब से और लोगों के सरदारों से कहा कि जाओ बैरसबा से दान तक इस्राईल का शुमार करो, और मुझे ख़बर दो ताकि मुझे उनकी ता'दाद मा'लूम हो।3योआब ने कहा, ख़ुदावन्द अपने लोगों को जितने हैं, उससे सौ गुना ज़्यादा करे; लेकिन ऐ मेरे मालिक बादशाह, क्या वह सब के सब मेरे मालिक के ख़ादिम नहीं हैं? फिर मेरा ख़ुदावन्द यह बात क्यूँ चाहता है? वह इस्राईल के लिए ख़ता का ज़रिए' क्यूँ बने?"4तो भी बादशाह का फ़रमान यूआब पर ग़ालिब रहा चुनाँचे यूआब रुख़्सत हुआ और तमाम इस्राईल में फिरा और यरूशलीम की लौटा;5और यूआब ने लोगों के शुमार की मीज़ान दाऊद को बतायी और सब इस्राइली ग्यारह लाख शमशीर ज़न मर्द, और यहूदाह चार लाख सत्तर हज़ार शमशीर ज़न शख़्स थे।6लेकिन उसने लावी और बिनयमीन का शुमार उनके साथ नहीं किया था, क्यूँकि बादशाह का हुक्म यूआब के नज़दीक़ नफ़रतअंगेज़ था।7लेकिन ख़ुदा इस बात से नाराज़ हुआ, इसलिए उसने इस्राईल को मारा ।8तब दाऊद ने ख़ुदा से कहा कि मुझसे बड़ा गुनाह हुआ कि मैंने यह काम किया|अब मैं तेरी मिन्नत करता हूँ कि अपने बन्दा क़ुसूर मु'आफ़ कर, क्यूँकि मैंने बेहूदा काम किया है।9और ख़ुदावन्द ने दाऊद के गै़बबीन जाद से कहा;10कि जाकर दाऊद से कह कि ख़ुदावन्द यूँ फ़रमाता है कि मैं तेरे सामने तीन चीज़ें पेश करता हूँ, उनमें से एक चुन ले, ताकि मैं उसे तुझ पर भेजूँ।11तब जाद ने दाऊद के पास आकर उससे कहा, ख़ुदावन्द यूँ फ़रमाता हैू कि तू जिसे चाहे उसे चुन ले:12या तो क़हत के तीन साल; या अपने दुश्मनों के आगे तीन महीने तक हलाक होते रहना, ऐसे हाल में कि तेरे दुश्मनों की तलवार तुझ पर वार करती रहे; या तीन दिन ख़ुदावन्द की तलवार या'नी मुल्क में वबा रहे, और ख़ुदावन्द का फ़रिश्ता इस्राईल की सब सरहदों में मारता रहे।अब सोच ले कि मैं अपने भेजनेवाले को क्या जवाब दूँ।13दाऊद ने जाद से कहा, मैं बड़े शिकंजे में हूँ मैं ख़ुदावन्द के हाथ में पड़ूँ क्यूँकि उसकी रहमतें बहुत ज़्यादा हैं लेकिन इन्सान के हाथ में न पड़ूँ।14तब ख़ुदावन्द ने इस्राईल में वबा भेजी, और इस्राईल में से सत्तर हज़ार आदमी मर गए।15और ख़ुदा ने एक फ़रिश्ता यरूशलीम को भेजा कि उसे हलाक करे; और जब वह हलाक करने ही को था, तो ख़ुदावन्द देख कर उस बला से मलूल हुआ और उस हलाक करनेवाले फ़रिश्ते से कहा, बस, अब अपना हाथ खींच। और ख़ुदावन्द का फ़रिश्ता यबूसी उरनान के खलिहान के पास खड़ा था।16और दाऊद ने अपनी आँखें उठा कर आसमान-ओ-ज़मीन के बीच ख़ुदावन्द के फ़रिश्ते को खड़े देखा, और उसके हाथ में नंगी तलवार थी जो यरूशलीम पर बढ़ाई हुई थी; तब दाऊद और बुज़ुर्ग टाट ओढ़े हुए मुँह के गिरे सिज्दा किया।17और दाऊद ने ख़ुदा से कहा, क्या मैं ही ने हुक्म नहीं किया था कि लोगों का शुमार किया जाए? गुनाह तो मैंने किया, और बड़ी शरारत मुझ से हुई, लेकिन इन भेड़ों ने क्या किया है? ऐ ख़ुदावन्द मेरे ख़ुदा, तेरा हाथ मेरे और मेरे बाप के घराने के ख़िलाफ़ हो न किअपने लोगों के ख़िलाफ़ के वह वबा में मुब्तिला हों।18तब ख़ुदावन्द के फ़रिश्ते ने जाद को हुक्म किया कि दाऊद से कहे कि दाऊद जाकर यबूसी उरनान के खलिहान में ख़ुदावन्द के लिए एक क़ुर्बानगाह बनाए।19और दाऊद जाद के कलाम के मुताबिक़, जो उसने ख़ुदावन्द के नाम से कहा था गया,20और उरनान ने मुड़ कर उस फ़रिश्ते को देखा, और उसके चारों बेटे जो उसके साथ थे छिप गए। उस वक़्त उरनान गेहूँ दाउता था।21जब दाऊद उरनान के पास आया, तब उरनान ने निगाह की और दाऊद को देखा, और खलिहान से बाहर निकल कर दाऊद के आगे झुका और ज़मीन पर सिज्दा किया।22तब दाऊद ने उरनान से कहा कि इस खलिहान की यह जगह मुझे दे दे, ताकि मैं इसमें ख़ुदावन्द के लिए एक क़ुर्बानगाह बनाऊँ; तू इसका पूरा दाम लेकर मुझे दे, ताकि वबा लोगों से दूर कर दी जाए।23उरनान ने दाऊद से कहा, तू इसे ले ले और मेरा मालिक बादशाह जो कुछ उसे भला मा'लूम हो करे। देख, मैं इन बैलों को सोख़्तनी क़ुर्बानियों के लिए और दाउने के सामान ईंधन के लिए, और यह गेहूँ नज़्र की क़ुर्बानी के लिए देता हूँ; मैं यह सब कुछ दिए देता हूँ।”24दाऊद बादशाह ने उरनान से कहा, नहीं नहीं, बल्कि मैं ज़रूर पूरा दाम देकर तुझ से खरीद लूँगा, क्यूँकि मैं उसे जो तेरा माल है ख़ुदावन्द के लिए नहीं लेने का, और बगै़र ख़र्च किये सोख़्तनी क़ुर्बानियाँ पेश करूँगा|"25तब दाऊद ने उरनान को उस जगह के लिए छ: सौ मिस्क़ाल सोना तौल कर दिया।26और दाऊद ने वहाँ ख़ुदावन्द के लिए मज़बह बनाया और सोख़्तनी क़ुर्बानियाँ और सलामती की क़ुर्बानियाँ पेश कीं और ख़ुदावन्द से दु'आ की; और उसने आसमान पर से सोख़्तनी क़ुर्बानी के मज़बह पर आग भेज कर उसको जवाब दिया।27और ख़ुदावन्द ने उस फ़रिश्ते को हुक्म दिया, तब उसने अपनी तलवार फिर मियान में कर ली।28उस वक़्त जब दाऊद ने देखा के ख़ुदावन्द ने यबूसी उरनान के खलिहान में उसको जवाब दिया था, तो उसने वहीं क़ुर्बानी चढ़ाई।29क्यूँकि उस वक़्त ख़ुदावन्द का घर जिसे मूसा ने वीरान में बनाया था, और सोख़्तनी क़ुर्बानी का मज़बह जिबा ऊन की ऊँची जगह में थे।30लेकिन दाऊद ख़ुदा से पूछने के लिए उसके आगे न जा सका, क्यूँकि वह ख़ुदावन्द के फ़रिश्ता ~की तलवार की वजह से डर गया।

Chapter 22

1और दाऊद ने कहा, "यही ख़ुदावन्द ख़ुदा का घर और यही इस्राईल की सोख़्तनी क़ुर्बानी का मज़बह है।”2दाऊद ने हुक्म दिया कि उन परदेसियों को जो इस्राईल के मुल्क में थे जमा' करें, और उसने पत्थरों को तराशने वाले ~मुक़र्रर किए कि ख़ुदा के घर के बनाने के लिए पत्थर काट कर घड़ें।3और दाऊद ने दरवाज़ों के किवाड़ों की कीलों और क़ब्ज़ों के लिए बहुत सा लोहा, और इतना पीतल कि तौल से बाहर था,4और देवदार के बेशुमार लट्ठे तैयार किए, क्यूँकि सैदानी और सूरी देवदार के लट्ठे कसरत से दाऊद के पास लाते थे।5और दाऊद ने कहा कि मेरा बेटा सुलेमान लड़का और ना तजुरबेकार है, और ज़रूर है कि वह घर जो ख़ुदावन्द के लिए बनाया जाए निहायत 'अज़ीम-उश-शान हो, और सब मुल्कों में उसका नाम और शोहरत हो। इसलिए मैं उसके लिए तैयारी करूँगा। चुनाँचे दाऊद ने अपने मरने से पहले बहुत तैयारी की।6तब उसने अपने बेटे सुलेमान को बुलाया और उसे ताकीद की कि ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा के लिए एक घर बनाए।7दाऊद ने अपने बेटे सुलेमान से कहा, यह तो खु़द मेरे दिल में था कि ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा के नाम के लिए एक घर बनाऊँ।8लेकिन ख़ुदावन्द का कलाम मुझे पहुँचा, कि तू ने बहुत ख़ूँरेज़ी की है और बड़ी बड़ी लड़ाइयाँ लड़ा है; इसलिए तू मेरे नाम के लिए घर न बनाना, क्यूँकि तू ने ज़मीन पर मेरे सामने बहुत ख़ून बहाया है।9देख, तुझ से एक बेटा पैदा होगा, वह मर्द-ए-सुलह होगा; और मैं उसे चारों तरफ़ के सब दुश्मनों से अम्न बख़्शूँगा, क्यूँकि सुलेमान उसका नाम होगा और मैं उसके दिनों में इस्राईल को अम्न-आो-अमान बख़्शूँगा।10वही मेरे नाम के लिए घर बनाएगा। वह मेरा बेटा होगा और मैं उसका बाप हूँगा, और मैं इस्राईल पर उसकी हुकूमत का तख़्त हमेशा तक-क़ायम रख्खूँगा।11अब ऐ मेरे बेटे ख़ुदावन्द तेरे साथ रहे और तू कामयाब हो और ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा का घर बना, जैसा उसने तेरे हक़ में फ़रमाया है।12अब ख़ुदावन्द तुझे अक़्ल-ओ-दानाई बख़्शे और इस्राईल के बारे में तेरी हिदायत करे, ताकि तू ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा की शरी'अत को मानता रहे।13तब तू कामयाब होगा, बशर्ते कि तू उन क़ानून और अहकाम पर जो ख़ुदावन्द ने मूसा को इस्राईल के लिए दिए एहतियात करके 'अमल करे। इसलिए हिम्मत बाँध और हौसला रख, ख़ौफ़ न कर, परेशान न हो।14देख, मैंने मशक़्क़त से ख़ुदावन्द के घर के लिए एक लाख क़िन्तार सोना और दस लाख क़िन्तार चाँदी, और बेअंदाज़ा पीतल और लोहा तैयार किया है क्यूँकि वह कसरत से है, और लकड़ी और पत्थर भी मैंने तैयार किए हैं, और तू उनको और बढ़ा सकता है।15बहुत से कारीगर पत्थर और लकड़ी के काटने और तराशने वाले, और सब तरह के हुनरमन्द जो क़िस्म क़िस्म के काम में माहिर हैं तेरे पास हैं।16सोने और चाँदी और पीतल और लोहे का कुछ हिसाब नहीं है। इसलिए उठ और काम में लग जा, और ख़ुदावन्द तेरे साथ रहे।17इसके 'अलावा दाऊद ने इस्राईल के सब सरदारों को अपने बेटे सुलेमान की मदद का हुक्म दिया और कहा,18क्या ख़ुदावन्द तुम्हारा ख़ुदा तुम्हारे साथ नहीं है? और क्या उसने तुम को चारों तरफ़ चैन नहीं दिया है? क्यूँकि उसने इस मुल्क के बाशिंदों को मेरे हाथ में कर दिया है, और मुल्क ख़ुदावन्द और उसके लोगों के आगे मग़लूब हुआ है।19इसलिए अब तुम अपने दिल को और अपनी जान को ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा की तलाश में लगाओ, और उठो और ख़ुदावन्द ख़ुदा का मक़दिस बनाओ, ताकि तुम ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक़ को और ख़ुदा के पाक बर्तनों को उस घर में, जो ख़ुदावन्द के नाम का बनेगा ले आओ।

Chapter 23

1अब दाऊद बुड्ढा और 'उम्र-दराज़ हो गया था, तब उसने अपने बेटे सुलेमान को इस्राईल का बादशाह बनाया।2उसने इस्राईल के सब सरदारों को, काहिनों और लावियों समेत इकट्ठा किया।3तीस बरस के और उससे ज़्यादा 'उम्र के लावी गिने गए, और उनकी गिनती एक एक आदमी को शुमार करके अड़तीस हज़ार थी।4इनमें से चौबीस हज़ार ख़ुदावन्द के घर के काम की निगरानी पर मुक़र्रर हुए, और छ: हज़ार सरदार और मुन्सिफ़ थे,5और चार हज़ार दरबान थे, और चार हज़ार उन साज़ों से ख़ुदावन्द की ता'रीफ़ करते थे जिनको मैंने या'नी दाऊद ने ता'रीफ़ और बड़ाई ~के लिए बनाया था6और दाऊद ने उनको जैरसोन, क़िहात और मिरारी नाम बनी लावी के फ़रीक़ों में तक़्सीम किया।7जैरसोनियों में से यह थे: ला'दान और सिम'ई।8ला'दान के बेटे: सरदार यहीएल और जैताम और यूएल, यह तीन थे।9सिम'ई के बेटे: सलूमियत और हज़ीएल और हारान, यह तीन थे। यह ला'दान के आबाई ख़ान्दानों के सरदार थे।10और सिम'ई के बेटे यहत, ज़ीना और य'ऊस और बरी'आ, यह चारों सिम'ई के बेटे थे।11पहला ~यहत था, और ज़ीज़ा दूसरा, और य'ऊस और बरी'आ के बेटे बहुत न थे, इस वजह से वह एक ही आबाई ख़ान्दान में गिने गए।12क़िहात के बेटे: 'अमराम, इज़हार, हबरून और 'उज़्ज़ीएल, यह चार थे।13अमराम के बेटे: हारून और मूसा थे। हारून अलग किया गया, ताकि वह और उसके बेटे हमेशा पाकतरीन चीज़ों की पाक किया करें, और हमेशा ख़ुदावन्द के आगे ख़ुशबू जलाएँ और उसकी ख़िदमत करें, और उसका नाम लेकर बरकत दें।14रहा मर्द-ए-ख़ुदा मूसा, इसलिए उसके बेटे लावी के क़बीले में गिने गए।15मूसा के बेटे: जैरसोम और इली'अज़र थे।16और जैरसोम का बेटा सबुएल सरदार था,17और इली'अज़र का बेटा रहबियाह सरदार था; और इली'अज़र के और बेटे न थे, लेकिन रहबियाह के बहुत से बेटे थे।18इज़हार का बेटा सलूमीत सरदार था।19हबरून के बेटों में पहला यरयाह, अमरियाह दूसरा, यहज़ीएल तीसरा, और यकीमि'आम चौथा था।20उज़्ज़ीएल के बेटों में अव्वल मीकाह सरदार और यसयाह दूसरा था।21मिरारी के बेटे: महली और मूशी। महली के बेटे: इली'अज़र और क़ीस थे।22और इली'अज़र मर गया और उसके कोई बेटा न था सिर्फ़ बेटियाँ थीं, और उनके भाई क़ीस के बेटों ने उनसे ब्याह किया।23मूशी के बेटे: महली और 'ऐदर और यरीमोत, येतीन थे।24लावी के बेटे यही थे, जो अपने अपने आबाई ख़ान्दान के मुताबिक़ थे। उनके आबाई ख़ान्दानों के सरदार जैसा वह नाम-ब- नाम एक एक करके गिने गए यही हैं। वह बीस बरस और उससे ऊपर की 'उम्र से ख़ुदावन्द के घर की ख़िदमत का काम करते थे।25क्यूँकि दाऊद ने कहा कि ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा ने अपने लोगों को आराम दिया है, और वह हमेशा तक यरूशलीम में सुकूनत करेगा।26और लावियों को भी घर और उसकी ख़िदमत के सब बर्तनों को फिर कभी उठाना न पड़ेगा।27क्यूँकि दाऊद की पिछली बातों के मुताबिक़ बनी लावी जो बीस बरस और उससे ज़्यादा 'उम्र के थे, गिने गए।28क्यूँकि उनका काम यह था कि ख़ुदावन्द के घर की ख़िदमत के वक़्त, सहनों और कोठरियों में और सब मुक़द्दस चीज़ों के पाक करने में, या'नी ख़ुदा के घर की ख़िदमत के काम में, बनी हारून की मदद करें;29और नज़्र की रोटी का, और मैदे की नज़्र की क़ुर्बानी का ख़्वाह वह बेख़मीरी रोटियों या तवे पर की पकी हुई चीज़ों या तली हुई चीज़ों की हो, और हर तरह के तौल और नाप का काम करें।30और हर सुबह और शाम को खड़े होकर ख़ुदावन्द की शुक्रगुज़ारी और बड़ाई करें,31और सब्तों और नये चाँदों और मुक़र्ररा 'ईदों में, हमेशा ख़ुदावन्द के सामने पूरी ता'दाद में सब सोख़्तनी क़ुर्बानियाँ उस क़ाइदे के मुताबिक़ जो उनके बारे में है पेश करें।32और ख़ुदावन्द के घर की ख़िदमत को अन्जाम देने के लिए ख़ेमा-ए-इज्तिमा'अ की हिफ़ाज़त और मक़दिस की निगरानी और अपने भाई बनी हारून की इता'अत करें।

Chapter 24

1और बनी हारून के फ़रीक़ यह थे हारून के बेटे नदब, अबीहू और इलि'अज़र और इतमर थे।2नदब और अबीहू अपने बाप से पहले मर गए और उनके औलाद न थी, इसलिए इली'अज़र और इतमर ने कहानत का काम किया।3दाऊद ने इली'अज़र के बेटों में से सदोक़, और इतमर के बेटों में से अख़ीमलिक को उनकी ख़िदमत की तरतीब के मुताबिक़ तक़्सीम किया।4इतमर के बेटों से ज़्यादा इली'अज़र के बेटों में रईस मिले, और इस तरह से वह तक़्सीम किए गए के इली'अज़र के बेटों में आबाई ख़ान्दानों के सोलह सरदार थे; और इतमर के बेटों में से आबाई ख़ान्दानों के मुताबिक़ आठ।5इस तरह पर्ची डाल कर और एक साथ ख़ल्त मल्त होकर वह तक़्सीम हुए, क्यूँकि मक़दिस के सरदार और ख़ुदा के सरदार बनी इली'अज़र और बनी इतमर दोनों में से थे।6और नतनीएल मुन्शी के बेटे समायाह ने जो लावियों में से था, उनके नामों को बादशाह और अमीरों और सदोक़ काहिन और अख़ीमलिक बिन अबियातर और काहिनों और लावियों के आबाई ख़ान्दानों के सरदारों के सामने लिखा। जब इली'अज़र का एक आबाई ख़ान्दान लिया गया, तो इतमर का भी एक आबाई ख़ान्दान लिया गया।7और पहली चिट्ठी यहूयरीब की निकली, दूसरी यद'अयाह की,8तीसरी हारिम की, चौथी श'ऊरीम,9पाँचवीं मलकियाह की, छटी मियामीन की10सातवीं हक्कूज़ की, आठवीं अबियाह की,11नवीं यशू'आ की, दसवीं सिकानियाह की,12ग्यारहवीं इलयासिब की, बारहवीं यक़ीम की,13तेरहवीं खुफ़्फ़ाह की, चौदहवीं यसबाब की,14पन्द्रहवीं बिल्जाह की, सोलहवीं इम्मेर की,15सत्रहवीं हज़ीर की, अठारहवीं फ़ज़ीज़ की,16उन्नीसवीं फ़तहियाह की, बीसवीं यहज़िकेल की,17इक्कीसवीं यकिन की, बाइसवीं जम्मूल की,18तेइसवीं दिलायाह की, चौबीसवीं माज़ियाह की।19यह उनकी ख़िदमत की तरतीब थी, ताकि वह ख़ुदावन्द के घर में उस क़ानून के मुताबिक़ आएँ जो उनको उनके बाप हारून की ज़रिए' वैसा ही मिला, जैसा ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा ने उसे हुक्म किया था।20बाक़ी बनी लावी में से: 'अमराम के बेटों में से सूबाएल, सूबाएल के बेटों में से यहदियाह;21रहा रहबियाह, सो रहबियाह के बेटों में से पहला यस्सियाह।22इज़हारियों में से सलूमोत, बनी सलूमोत में से यहत।23बनी हबरून में से: यरियाह पहला, अमरियाह दूसरा, यह ज़िएल तीसरा, यकमि'आम चौथा।24बनी उज़्ज़ीएल में से: मीकाह; बनी मीकाह में से: समीर।25मीकाह का भाई यस्सियाह, बनी यस्सियाह में से ज़करियाह।26मिरारी के बेटे: महली और मूशी। बनी याज़ियाह में से बिनू27रहे बनी मिरारी, सो याज़ियाह से बिनू और सूहम और ज़क्कूर और 'इब्री।28महली से: इली'अज़र, जिसके कोई बेटा न था।29क़ीस से, क़ीस का बेटा: यरहमिएल।30और मूशी के बेटे: महली और 'ऐदर और यरीमीत। लावियों की औलाद अपने आबाई ख़ान्दानों के मुताबिक़ यही थी।31इन्होंने भी अपने भाई बनी हारून की तरह, दाऊद बादशाह और सदूक़ और अख़ीमालिक और काहिनों और लावियों के आबाई ख़ान्दानों के सरदारों के सामने अपना अपनी पर्ची डाला, या'नी सरदार के आबाई ख़ान्दानों का जो हक़ था वही उसके छोटे भाई के ख़ान्दानों का था।

Chapter 25

1फिर दाऊद और लश्कर के सरदारों ने आसफ़ और हैमान और यदूतून के बेटों में से कुछ को ख़िदमत के लिए अलग किया, ताकि वह बरबत और सितार और झाँझ से नबुव्वत करें; और जो उस काम को करते थे उनका शुमार उनकी ख़िदमत के मुताबिक़ यह था:2आसफ़ के बेटों में से ज़क्कूर, यूसुफ़, नतनियाह और असरीलाह; आसफ़ के यह बेटे आसफ़ के मातहत थे, जो बादशाह के हुक्म के मुताबिक़ नबुव्वत करता था।3यदूतून से बनी यदूतून, सो जिदलियाह, ज़री और यसा'याह, हसबियाह और मतितियाह, यह छ: अपने बाप यदूतून के मातहत थे जो बरबत लिए रहता और ख़ुदावन्द की शुक्रगुज़ारी और हम्द करता हुआ नबुव्वत करता था।4रहा हैमान, वह हैमान के बेटे: बुक़्क़याह, मत्तनियाह, 'उज़्ज़ीएल, सबूएल यरीमोत, हनानियाह, हनानी, इलियाता, जिद्दाल्ती, रूमम्ती'अज़र, यसबिक़ाशा, मल्लूती, हौतीर, और महाज़ियोत;5यह सब हैमान के बेटे थे, जो ख़ुदा की बातों में सींग बुलन्द करने के लिए बादशाह का गै़बबीन था; और ख़ुदा ने हैमान को चौदह बेटे और तीन बेटियाँ दी थीं।6यह सब ख़ुदावन्द के घर में हम्द करने के लिए अपने बाप के मातहत थे, और झाँझ और सितार और बरबत से ख़ुदा के घर की ख़िदमत करते थे। आसफ़ और यदूतून और हैमान बादशाह के हुक्म के ताबे' थे7उनके भाइयों समेत जो ख़ुदावन्द की ता'रीफ़ और बड़ाई ~की ता'लीम पा चुके थे, या'नी वह सब जो माहिर थे, उनका शुमार दो सौ अठासी था।8और उन्होंने क्या छोटे क्या बड़े क्या उस्ताद क्या शागिर्द, एक ही तरीक़े से अपनी अपनी ख़िदमत के लिए पर्ची डाला।9पहली चिट्ठी आसफ़ की यूसुफ़ को मिली, दूसरी जिदलियाह को, और उसके भाई और बेटे उस समेत बारह थे।10तीसरी ज़क्कूर को, और उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।11चौथी यिज़री को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।12पाँचवीं नतनियाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।13छटी बुक्कयाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे|14सातवीं यसरीलाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।15आठवीं यसा'याह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।16नवीं मत्तनियाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।17दसवीं सिमई को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।18ग्यारहवीं 'अज़रएल को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।19बारहवीं हसबियाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।20तेरहवीं सबूएल को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।21चौदहवीं मतितियाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।22पंद्रहवीं यरीमोत को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।23सोलहवीं हनानियाह को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।24सत्रहवीं यसबिक़ाशा को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।25अठारहवीं हनानी को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।26उन्नीसवीं मल्लूती को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।27बीसवीं इलयाता को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।28इक्कीसवीं हौतीर को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।29बाइसवीं जिद्दाल्ती को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।30तेइसवीं महाज़ियोत को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।31चौबीसवीं रूमम्ती 'अज़र को, उसके बेटे और भाई उस समेत बारह थे।

Chapter 26

1दरबानों के फ़रीक़ यह थे: क़ुरहियों में मसलमियाह बिन कूरे, जो बनी आसफ़ में से था;2और मसलमियाह के यहाँ बेटे थे: ज़करियाह पहलौठा, यदी'एल दूसरा, जबदियाह तीसरा, यतनीएल चौथा,3ऐलाम पाँचवाँ, यहूहानान छटा, इलीहू'ऐनी सातवाँ था।4और 'ओबेदअदोम के यहाँ बेटे थे: समा'याह पहलौठा, यहूज़बा'द दूसरा, यूआख़ तीसरा, और सकार चौथा, और नतनीएल पाँचवाँ,5'अम्मीएल छटा, इश्कार सातवाँ, फ़'उलती आठवाँ; क्यूँकि ख़ुदा ने उसे बरकत बख़्शी थी।6उसके बेटे समायाह के यहाँ भी बेटे पैदा हुए, जो अपने आबाई खानदान पर सरदारी करते थे क्यूँकि वह ताक़तवर सूर्मा थे।7समायाह के बेटे: उतनी और रफ़ाएल और 'ओबेद और इलज़बा'द, जिनके भाई इलीहू और समाकियाह सूर्मा थे।8यह सब 'ओबेदअदोम की औलाद में से थे। वह और उनके बेटे और उनके भाई ख़िदमत के लिए ताक़त के 'ऐतबार से क़ाबिल आदमी थे, यूँ 'ओबेदअदोमी बासठ थे।9मसलमियाह के बेटे और भाई अठारह सूर्मा थे।10और बनी मिरारी में से हूसा के हाँ बेटे थे: सिमरी सरदार था (वह पहलौठा तो न था, लेकिन उसके बाप ने उसे सरदार बना दिया था),11दूसरा खिलक़ियाह, तीसरा तबलयाह, चौथा ज़करियाह; हूसा के सब बेटे और भाई तेरह थे।12इन्ही में से या'नी सरदारों में से दरबानों के फ़रीक़ थे, जिनका ज़िम्मा अपने भाइयों की तरह ख़ुदावन्द के घर में ख़िदमत करने का था।13और उन्होंने क्या छोटे क्या बड़े, अपने अपने आबाई ख़ान्दान के मुताबिक़ हर एक फाटक के लिए पर्ची डाला।14~पूरब की तरफ़ का पर्ची सलमियाह के नाम निकला। फिर उसके बेटे ज़करियाह के लिए भी, जो 'अक़्लमन्द सलाहकार था, पर्चा डाला गया और उसका पर्चा शिमाल की तरफ़ का निकला।15'ओबेदअदोम के लिए जुनूब की तरफ़ का था, और उसके बेटों के लिए ग़ल्लाखाना का।16सुफ़्फ़ीम और हूसा के लिए पश्चिम की तरफ़ सलकत के फाटक के नज़दीक का, जहाँ से ऊँची सड़क ऊपर जाती है ऐसा कि आमने सामने होकर पहरा दें।17~पूरब की तरफ़ छ: लावी थे, उत्तर की तरफ़ हर रोज़ चार, दक्खिन की तरफ़ हर रोज़ चार, और तोशाख़ाने के पास दो दो।18~पश्चिम की तरफ़ परबार के लिए चार तो ऊँची सड़क पर और दो परबार के लिए।19बनी कोरही और बनी मिरारी में से दरबानों के फ़रीक़ यही थे।20लावियों में से अख़ियाह ख़ुदा के घर के ख़ज़ानों और नज़्र की चीज़ों के ख़ज़ानों पर मुक़र्रर था।21बनी ला'दान: इसलिए ला'दान के ख़ान्दान के जैरसोनियों के बेटे, जो उन आबाई ख़ान्दानों के सरदार थे, जो जैरसोनी ला'दान से त'अल्लुक रखते थे यह थे: यहीएली।22और यहीएली के बेटे: जैताम और उसका भाई यूएल, ख़ुदावन्द के घर के खज़ानों पर थे।23अमरामियों, इज़हारियों, हबरूनियों और उज़्ज़ीएलियों में से:24सबूएल बिन जैरसोम बिन मूसा, बैत-उल-माल पर मुख़्तार था।25और उसके भाई इली'अज़र की तरफ़ से: उसका बेटा रहबियाह, रहबिया का बेटा यसा'याह, यसा'याह का बेटा यूराम, यूराम का बेटा ज़िकरी, ज़िकरी का बेटा सल्लूमीत।26यह सल्लूमीत और उसके भाई नज़्र की हुई चीज़ों के सब ख़ज़ानों पर मुक़र्रर थे, जिनको दाऊद बादशाह और आबाई ख़ान्दानों के सरदारों और हज़ारों और सैकड़ों के सरदारों और लश्कर के सरदारों ने नज़्र किया था।27लड़ाइयों की लूट में से उन्होंने ख़ुदावन्द के घर की मरम्मत के लिए कुछ नज़्र किया था।28समुएल गै़बबीन और साऊल बिन क़ीस और अबनेर बिन नेर और योआब बिन ज़रूयाह की सारी नज़्र, ग़रज़ जो कुछ किसी ने नज़्र किया था वह सब सल्लूमीत और उसके भाइयों के हाथ में सुपुर्द था।29इज़हारियों में से कनानियाह और उसके बेटे, इस्राईलियों पर बाहर के काम के लिए हाकिम और क़ाज़ी थे।30हबरूनियों में से हसबियाह और उसके भाई, एक हज़ार सात सौ सूर्मा, मग़रिब की तरफ़ यरदन पार के इस्राईलियों की निगरानी की ख़ातिर ख़ुदावन्द के सब काम और बादशाह की ख़िदमत के लिए तैनात थे।31हबरूनियों में यरयाह, हबरूनियों का उनके आबाई ख़ान्दानों के नस्बों के मुताबिक़ सरदार था। दाऊद की हुकूमत के चालीसवें बरस में वह ढूँड निकाले गए, और जिल'आद के या'ज़ीर में उनके बीच ताक़तवर सूर्मा मिले।32उसके भाई, दो हज़ार सात सौ सूर्मा और आबाई ख़ान्दानों के सरदार थे, जिनकी दाऊद बादशाह ने रूबीनियों और जहियों और मनस्सी के आधे क़बीले पर ख़ुदा के हर एक काम और शाही मु'आमिलात के लिए सरदार बनाया।

Chapter 27

1और बनी इराईल अपने शुमार के मुवाफ़िक़ या'नी आबाई ख़ान्दानों के रईस और हज़ारों और सैकड़ों के सरदार और उनके मन्सबदार जो उन फ़रीक़ों के हर हाल में बादशाह की ख़िदमत करते थे, जो साल के सब महीनों में माह-ब-माह आते और रुख़्सत होते थे, हर फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।2पहले महीने के पहले फ़रीक़ पर यसूबि'आम बिन ज़बदिएल था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।3वह बनी फ़ारस में से था और पहले महीने के लश्कर के सब सरदारों का रईस था।4दूसरे महीने के फ़रीक़ पर दूदे अख़्ही था, और उसके फ़रीक़ में मिकलोत भी सरदार था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे5तीसरे महीने के लश्कर का ख़ास तीसरा सरदार यहूयदा' काहिन का बेटा बिनायाह था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।6यह वह बिनायाह है जो तीसों में ज़बरदस्त और उन तीसों के ऊपर था; उसी के फ़रीक़ में उसका बेटा 'अम्मीज़बा'द भी शामिल था।7चौथे महीने के लिए यूआब का भाई 'असाहील था, और उसके पीछे उसका बेटा ज़बदियाह था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।8पाँचवें महीने के लिए पाँचवाँ सरदार समहूत इज़राख़ी था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।9छटे महीने के लिए छटा सरदार तकू'ई 'इक्कीस का बेटा ईरा था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।10सातवें महीने के लिए सातवाँ सरदार बनी इफ़्राईम में से फ़लूनीख़लस था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।11आठवे महीने के लिए आठवाँ सरदार ज़ारहियों में से हूसाती सिब्बकी था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।12नवें महीने के लिए नवाँ सरदार बिनयमीनियों में से 'अन्तूती अबी'अज़र था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।13दसवें महीने के लिए दसवाँ सरदार ज़ारहियों में से नतूफ़ाती महरी था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।14ग्यारहवें महीने के लिए ग्यारहवाँ सरदार बनी इफ़्राईम में से फ़र'आतीनी बिनायाह था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।15बारहवें महीने के लिए बारहवाँ सरदार गुतनीएलियों में से नतूफ़ाती ख़ल्दी था, और उसके फ़रीक़ में चौबीस हज़ार थे।16इस्राईल के क़बीलों पर रूबीनियों का सरदार इली'अज़र बिन ज़िकरी था, शमा'ऊनियों का सफ़तियाह बिन मा'का;17लावियों का हसबियाह बिन क़मूएल, हारूनियों का सदोक़;18यहूदाह का इलीहू, जो दाऊद के भाइयों में से था; इश्कार का 'उमरी बिन मीकाएल;19ज़बूलून का इसमाइयाह बिन 'अबदियाह, नफ़्ताली का यरीमोत बिन 'अज़रिएल;20बनी इफ़्राईम का हूसी'अ बिन 'अज़ाज़ियाह, मनस्सी के आधे क़बीले का यूएल बिन फ़िदायाह;21जिल'आद में मनस्सी के आधे क़बीले का 'ईदू बिन ज़करियाह, बिनयमीन का या'सीएल बिन अबनेर;22दान का 'अज़रि'एल बिन यरोहाम। यह इस्राईल के क़बीलों के सरदार थे।23लेकिन दाऊद ने उनका शुमार नहीं किया था जो बीस बरस या कम उम्र के थे, क्यूँकि ख़ुदावन्द ने कहा था कि मैं इस्राईल को आसमान के तारों की तरह बढ़ाऊँगा।24ज़रूयाह के बेटे यूआब ने गिनना तो शुरू 'किया, लेकिन ख़त्म नहीं किया था कि इतने में इस्राईल पर क़हर नाज़िल हुआ, और न वह ता'दाद दाऊद बादशाह की तवारीख़ी ता'दादों में दर्ज हुई।25शाही ख़ज़ानों पर 'अज़मावत बिन 'अदिएल मुक़र्रर था, और खेतों और शहरों और गाँव और क़िलों' के ख़ज़ानों पर यहूनतन बिन उज़्ज़ियाह था;26और काश्तकारी के लिए खेतों में काम करनेवालों पर 'अज़री बिन कलूब था;27और अंगूरिस्तानों पर सिम'ई रामाती था, और मय के ज़ख़ीरों के लिए अंगूरिस्तानों की पैदावार पर ज़बदी शिफ़मी था;28और जै़तून के बाग़ों और गूलर के दरख़्तों पर जो नशेब के मैदानों में थे, बा'ल हनान जदरी था; और यूआस तेल के गोदामों पर;29और गाय-बैल के गल्लों पर जो शारून में चरते थे, सितरी शारूनी था; और साफ़त बिन 'अदली गाय-बैल के उन गल्लों पर था जो वादियों में थे;30और ऊँटों पर इस्माईली ओबिल था, और गधों पर यहदियाह मरूनोती था;31और भेड़-बकरी के रेवड़ों पर याज़ीज़ हाजिर था। यह सब दाऊद बादशाह के माल पर मुक़र्रर थे।32दाऊद का चचा योनतन सलाह कार और अक़्लमंद और मुन्शी था, और यहीएल बिन हकमूनी शहज़ादों के साथ रहता था।33अख़ीतुफ़ल बदशाह का सलाह कार था, और हूसीअरकी बादशाह का दोस्त था।34और अख़ीतुफ़ल से नीचे यहूयदा' बिन बिनायाह और अबियातर थे, और शाही फ़ौज का सिपहसालार यूआब था।

Chapter 28

1दाऊद ने इस्राईल के सब हाकिमों को जो क़बीलों के सरदार थे, और उन फ़रीक़ों के सरदारों को जो बारी बारी बादशाह की ख़िदमत करते थे, और हज़ारों के सरदारों और सैकड़ों के सरदारों, और बादशाह के और उसके बेटों के सब माल और मवेशी के सरदारों, और ख़्वाजा सराओं और बहादुरों बल्कि सब ताक़तवर सूर्माओं को यरूशलीम में इकट्ठा किया।2तब दाऊद बादशाह अपने पाँव पर उठ खड़ा हुआ, और कहने लगा, ऐ मेरे भाइयों और मेरे लोगों, मेरी सुनो! मेरे दिल में तो था कि ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक़ के लिए आरामगाह, और अपने ख़ुदा के लिए पाँव की कुर्सी बनाऊँ, और मैंने उसके बनाने की तैयारी भी की;3लेकिन ख़ुदा ने मुझ से कहा कि तू मेरे नाम के लिए घर नहीं बनाने पाएगा, क्यूँकि तू जंगी मर्द है और तू ने ख़ूनबहाया है।4तो भी ख़ुदावन्द इस्राईल के ख़ुदा ने मुझे मेरे बाप के सारे घराने में से चुन लिया कि मैं हमेशा इस्राईल का बादशाह रहूँ, क्यूँकि उसने यहूदाह को रहनुमा होने के लिए मुन्तख़ब किया; और यहूदाह के घराने में से मेरे बाप के घराने को चुना है, और मेरे बाप के बेटों में से मुझे पसंद किया ताकि मुझे सारे इस्राईल का बादशाह बनाए।5और मेरे सब बेटों में से (क्यूँकि ख़ुदावन्द ने मुझे बहुत से बेटे दिए हैं) उसने मेरे बेटे सुलेमान को पसंद किया, ताकि वह इस्राईल पर ख़ुदावन्द की हुकूमत के तख़्त पर बैठे।6उसने मुझ से कहा, 'तेरा बेटा सुलेमान मेरे घर और मेरी बारगाहों को बनाएगा, क्यूँकि मैंने उसे चुन लिया है कि वह मेरा बेटा हो और मैं उसका बाप हूँगा।7और अगर वह मेरे हुक्मों और फ़रमानों पर 'अमल करने में साबित क़दम रहे जैसा आज के दिन है, तो मैं उसकी बादशाही हमेशा तक क़ायम रखूँगा।'8फिर अब सारे इस्राईल या'नी ख़ुदावन्द की जमा'अत के सामने और हमारे ख़ुदा के सामने, तुम ख़ुदावन्द अपने ख़ुदा के सब हुक्मों को मानो और उनके तालिब हो, ताकि तुम इस अच्छे मुल्क के वारिस हो; और उसे अपने बा'द अपनी औलाद के लिए हमेशा के लिए मीरास छोड़ जाओ।9और तू ऐ मेरे बेटे सुलेमान, अपने बाप के ख़ुदा को पहचान और पूरे दिल और रूह की मुस्त'इदी से उसकी 'इबा'दत कर; क्यूँकि ख़ुदावन्द सब दिलों को जाँचता है, और जो कुछ ख़्याल में आता है उसे पहचानता है। अगर तू उसे ढूँडे तो वह तुझ को मिल जाएगा, और अगर तू उसे छोड़े तो वह हमेशा के लिए तुझे रद्द कर देगा।10इसलिए होशियार हो, क्यूँकि ख़ुदावन्द ने तुझ को मक़दिस के लिए एक घर बनाने को चुना है, इसलिए हिम्मत बाँध कर काम कर।11तब दाऊद ने अपने बेटे सुलेमान को हैकल के उसारे और उसके मकानों और ख़ज़ानों और बालाख़ानों और अन्दर की कोठरियों और कफ़्फ़ारागाह की जगह का नमूना,12और उन सब चीज़ों, या'नी ख़ुदावन्द के घर के सहनों और आस पास की कोठरियों और ख़ुदा के घर के ख़ज़ानों और नज़्र की हुई चीज़ों के ख़ज़ानों का नमूना भी दिया जो, उसको रूह' से मिला था;13और काहिनों और लावियों के फ़रीक़ों और ख़ुदावन्द के घर की 'इबादत के सब काम और ख़ुदावन्द के घर की 'इबादत के सब बर्तन के लिए,14या'नी सोने के बर्तनों के वास्ते सोना तोल कर हर तरह की ख़िदमत के सब बर्तनों के लिए, और चाँदी के सब बर्तनों के वास्ते चाँदी तौल कर हर तरह की ख़िदमत के सब बर्तनों के लिए,15और सोने के शमा'दानों और उसके चिराग़ों के लिए एक एक शमा'दान, और उसके चराग़ों का सोना तोल कर; और चाँदी के शमा'दानों के लिए एक एक शमा'दान, और उसके चराग़ों के लिए हर शमा'दान के इस्ते'माल के मुताबिक़ चाँदी तौल कर;16और नज़्र की रोटी की मेज़ों के वास्ते एक एक मेज़ के लिए सोना तोल कर, और चाँदी की मेज़ों के लिए चाँदी;17और काँटों और कटोरों और प्यालों के लिए ख़ालिस सोना दिया, और सुनहले प्यालों के लिए एक एक प्याले के लिए तौल कर, और चाँदी के प्यालों के वास्ते एक एक प्याले के लिए तौल कर;18और ख़ुशबू की क़ुर्बानगाह के लिए चोखा सोना तौल कर, और रथ के नमूने या'नी उन करूबियों के लिए जो पर फैलाए ख़ुदावन्द के 'अहद के सन्दूक़ को ढाँके हुए थे, सोना दिया।19यह सब या'नी इस नमूने के सब काम ख़ुदावन्द के हाथ की तहरीर से मुझे समझाए गए।20दाऊद ने अपने बेटे सुलेमान से कहा, हिम्मत बाँध और हौसले से काम कर, ख़ौफ़ न कर, परेशान न हो, क्यूँकि ख़ुदावन्द ख़ुदा जो मेरा ख़ुदा है तेरे साथ है। वह तुझ कोन छोड़ेगा और न छोड़ा करेगा, जब तक ख़ुदावन्द के घर की ख़िदमत का सारा काम तमाम न हो जाए।21और देख, काहिनों और लावियों के फ़रीक़ ख़ुदा के घर की सारी ख़िदमत के लिए हाज़िर हैं, और हर क़िस्म की ख़िदमत के लिए सब तरह के काम में हर शख़्स जो माहिर है बख़ुशी तेरे साथ हो जाएगा; और लश्कर के सरदार और सब लोग भी तेरे हुक्म में होंगे।

Chapter 29

1और दाऊद बादशाह ने सारी जमा'अत से कहा कि ख़ुदा ने सिर्फ़ मेरे बेटे सुलेमान को चुना है, और वह अभी लड़का और नातज़ुरबेकार है; और काम बड़ा है, क्यूँकि वह महल इन्सान के लिए नहीं बल्कि ख़ुदावन्द ख़ुदा के लिए है।2और मैंने तो अपने मक़दूर भर अपने ख़ुदा की हैकल के लिए सोने की चीज़ों के लिए सोना, और चाँदी की चीज़ों के लिए चाँदी, और पीतल की चीज़ों के लिए पीतल, लोहे की चीज़ों के लिए लोहा, और लकड़ी की चीज़ों के लिए लकड़ी, और 'अक़ीक़ और जड़ाऊ पत्थर और पच्ची के काम के लिए रंग बिरंग के पत्थर, और हर क़िस्म के बेशक़ीमत जवाहिर और बहुत सा संग-ए-मरमर तैयार किया है।3और चूँकि मुझे अपने ख़ुदा के घर की लौ लगी है और मेरे पास सोने और चाँदी का मेरा अपना ख़ज़ाना है, इसलिए मैं उसकी भी उन सब चीज़ों के 'अलावा जो मैंने उस मुक़द्दस हैकल के लिए तैयार की हैं, अपने ख़ुदा के घर के लिए देता हूँ।4या'नी तीन हज़ार क़िन्तार सोना जो ओफ़ीर का सोना है, और सात हज़ार क़िन्तार ख़ालिस चाँदी 'इमारतों की दीवारों पर मढ़ने के लिए;5और कारीगरों के हाथ के हर क़िस्म के काम के लिए सोने की चीज़ों के लिए सोना, और चाँदी की चीज़ों के लिए चाँदी है। तो कौन तैयार है कि अपनी ख़ुशी से अपने आपको आज ख़ुदावन्द के लिए मख़्सूस' करे?6तब आबाई ख़ान्दानों के सरदारों और इस्राईल के क़बीलों के सरदारों और हज़ारों और सैंकड़ों के सरदारों और शाही काम के नाज़िमों ने अपनी ख़ुशी से तैयार होकर,7ख़ुदा के घर के काम के लिए, सोना पाँच हज़ार क़िन्तार और दस हज़ार दिरहम, और चाँदी दस हज़ार क़िन्तार, और पीतल अठारह हज़ार क़िन्तार, और लोहा एक लाख क़िन्तार दिया।8और जिनके पास जवाहिर थे, उन्होंने उनकी जैरसोनी यहीएल के हाथ में ख़ुदावन्द के घर के ख़ज़ाने के लिए दे डाला।9तब लोग शादमान हुए, इसलिए कि उन्होंने अपनी ख़ुशी से दिया क्यूँकि उन्होंने पूरे दिल से रज़ामन्दी से ख़ुदावन्द के लिए दिया था; और दाऊद बादशाह भी निहायत शादमान हुआ।10~फिरदाऊद ने सारी जमा'अत के आगे ख़ुदावन्द का शुक्र किया, और दाऊद कहने लगा, ऐ ख़ुदावन्द, हमारे बाप इस्राईल के ख़ुदा! तू हमेशा से हमेशा तक मुबारक हो।11ऐ ख़ुदावन्द, 'अज़मत और क़ुदरत और जलाल और ग़लबा और हशमत तेरे ही लिए हैं, क्यूँकि सब कुछ जो आसमान और ज़मीन में है तेरा है। ऐ ख़ुदावन्द, बादशाही तेरी है, और तू ही बहैसियत-ए-सरदार सभों से मुम्ताज़ है।12और दौलत और 'इज़्ज़त तेरी तरफ़ से आती है, और तू सभों पर हुकूमत करता है, और तेरे हाथ में क़ुदरत और तवानाई हैं, और सरफ़राज़ करना और सभों को ज़ोर बख़्शना तेरे हाथ में है।13और अब ऐ हमारे ख़ुदा, हम तेरा शुक्र और तेरे जलाली नाम की ता'रीफ़ करते हैं।14~लेकिन मैं कौन और मेरे लोगों की हक़ीक़त क्या कि हम इस तरह से ख़ुशी ख़ुशी नज़राना देने के क़ाबिल हों? क्यूँकि सब चीजें तेरी तरफ़ से मिलती हैं, और तेरी ही चीज़ों में से हम ने तुझे दिया है।15क्यूँकि हम तेरे आगे परदेसी और मुसाफ़िर हैं जैसे हमारे सब बाप-दादा थे। हमारे दिन रू-ए-ज़मीन पर साये की तरह हैं, और क़याम नसीब नहीं।16ऐ ख़ुदावन्द हमारे ख़ुदा, यह सारा ज़ख़ीरा जो हम ने तैयार किया है कि तेरे पाक नाम के लिए एक घर बनाएँ, तेरे ही हाथ से मिला है और सब तेरा ही है।17ऐ मेरे ख़ुदा, मैं यह भी जानता हूँ कि तू दिल को जाँचता है, और रास्ती में तेरी खुशनूदी है। मैंने तो अपने दिल की रास्ती से यह सब कुछ रज़ामंदी से दिया, और मुझे तेरे लोगों को जो यहाँ हाज़िर हैं, तेरे सामने ख़ुशी ख़ुशी देते देख कर ख़ुशी हासिल हुई।18ऐ ख़ुदावन्द, हमारे बाप-दादा अब्रहाम, इज़्हाक और इस्राईल के ख़ुदा, अपने लोगों के दिल के ख़्याल और तसव्वुर में यह बात सदा जमाए रख, और उनके दिल को अपनी जानिब मुसत'ईद कर।19और मेरे बेटे सुलेमान को ऐसा कामिल दिल 'अता कर कि वह तेरे हुक्मों और शहादतों और क़ानून को माने और इन सब बातों पर 'अमल करे, और उस हैकल को बनाए जिसके लिए मैंने तैयारी की है।20फिर दाऊद ने सारी जमा'अत से कहा, अब अपने ख़ुदावन्द ख़ुदा को मुबारक कहो। तब सारी जमा'अत ने ख़ुदावन्द अपने बाप-दादा के ख़ुदा को मुबारक कहा, और सिर झुकाकर उन्होंने ख़ुदावन्द और बादशाह के आगे सिज्दा किया।21दूसरे दिन ख़ुदावन्द के लिए ज़बीहों को ज़बह किया और ख़ुदावन्द के लिए सोख़्तनी कु़र्बानियाँ पेश कीं, या'नी एक हज़ार बैल और एक हज़ार मेंढे और एक हज़ार बर्रे म'ए उनके तपावनों के चढ़ाए, और बकसरत कु़र्बानियाँ कीं जो सारे इस्राईल के लिए थीं।22और उन्होंने उस दिन निहायत ख़ुशी के साथ ख़ुदावन्द के आगे खाया-पिया और उन्होंने दूसरी बार दाऊद के बेटे सुलेमान को बादशाह बनाकर, उसको ख़ुदावन्द की तरफ़ से पेशवा होने और सदोक़ को काहिन होने के लिए मसह किया।23तब सुलेमान ख़ुदावन्द के तख़्त पर अपने बाप दाऊद की जगह बादशाह होकर बैठा और कामयाब हुआ, और सारा इस्राईल उसका फ़रमाँबरदार हुआ।24और सब हाकिम और बहादुर और दाऊद बादशाह के सब बेटे भी सुलेमान बादशाह के फ़रमाँबरदार हुए।25और ख़ुदावन्द ने सारे इस्राईल की नज़र में सुलेमान को निहायत सरफ़राज़ किया, और उसे ऐसा शाहाना दबदबा 'इनायत किया जो उससे पहले इस्राईल में किसी बादशाह को नसीब न हुआ था।26दाऊद बिन यस्सी ने सारे इस्राईल पर हुकूमत की;27और वह 'अर्सा जिसमें उसने इस्राईल पर हुकूमत की चालीस बरस का था। उसने हबरून में सात बरस और यरूशलीम में तैतीस बरस हुकू़मत की।28और उसने निहायत बुढ़ापे में ख़ूब 'उम्र रसीदा और दौलत-ओ-इज़्ज़त से आसूदा होकर वफ़ात पाई, और उसका बेटा सुलेमान उसकी जगह बादशाह हुआ।29दाऊद बादशाह के काम शुरू' सर तक, आख़िर सब के सब समुएल नबी की तवारीख़ में और नातन नबी की तवारीख़ में और जाद नबी की तवारीख़ में,30या'नी उसकी सारी हुकूमत और ज़ोर और जो ज़माने उस पर और इस्राईल पर और ज़मीन की सब ममलुकतों पर गुज़रे, सब उनमें लिखे हैं।